



मध्यप्रदेश राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 13]

भोपाल, शुक्रवार, दिनांक 28 मार्च 2014-चैत्र 7, शके 1936

भाग 3 (1)

विज्ञापन

अन्य सूचनाएं

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड, जबलपुर

जबलपुर, दिनांक 24 फरवरी, 2014

क्र. 04-02/195/यो.व.रू./578.—यह कि केन्द्रीय सरकार की विद्युत अधिनियम, 2003 (संशोधनों, नियमों एवं उप-नियमों सहित) की धारा-67 (2) एवं धारा-176 (2) ड के अधीन प्रदत्त अधिकारों एवं कर्तव्यों के पालन हेतु मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड (डीमूड ट्रांसमिशन लाईसेंसी) ने विद्युत उत्पादन गृहों से विद्युत की निकासी करने, विद्यमान अति उच्च दाब विद्युत उपकेन्द्रों से राज्य के अन्य क्षेत्रों में बिजली पहुंचाने एवं राज्य के विभिन्न उत्पादन गृहों/उपकेन्द्रों के बीच अति उच्च दाब लाइनों द्वारा अंतरसम्पर्क स्थापित करने के उद्देश्य से 220 एवं 132 किलो वोल्ट पारेषण लाइनों एवं सम्बन्धित उपकरणों की स्थापना हेतु पारेषण परियोजनायें स्वीकृत की हैं।

इन स्वीकृत पारेषण परियोजनाओं को मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड निम्नानुसार अधिसूचित करती है:—

- (1) **नाम:**—ये परियोजनायें 220 एवं 132 किलो वोल्ट (के. वी.) लाइनों व सम्बन्धित कार्यों के निर्माण की परियोजनायें कहलायेंगी।
- (2) **परियोजनाओं का विवरण:**—परियोजनाओं में सम्मिलित विभिन्न कार्यों का क्षेत्र, लाइनों की लम्बाई व अनुमानित लागत आदि का विवरण निम्नानुसार है:—

(I) 132 केवी पारेषण लाइनें :

- 132 केवी एटीपीएस चर्चाई—कोतमा डीसीडीएस लाइन का ए.टी.पी.एस. चर्चाई से 220 के.वी. उपकेंद्र अनूपपुर में विस्थापन कार्य (डायवर्सन) लम्बाई-3.5 किलोमीटर, अनुमानित लागत- रु. 244.52 लाख.
- ए.टी.पी.एस. चर्चाई—220 केवी उपकेंद्र अनूपपुर के बीच इंटरकनेक्टर लाइन में टॉवर निर्माण कार्य, लम्बाई-0.2 कि.मी., अनुमानित लागत-रु. 28.32 लाख.
- 132 केवी ए.टी.पी.एस. चर्चाई-शहडोल सिंगल सर्किट लाइन का ए.टी.पी.एस. चर्चाई से 220 केवी उपकेन्द्र अनूपपुर में विस्थापन कार्य (डायवर्सन) लम्बाई-3.5 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 244.31 लाख.

4. 132 केवी ए.टी.पी.एस. चचाई-एचजेआई डीसीएसएस लाईन का ए.टी.पी.एस. चचाई से 220 के.वी. उपकेन्द्र अनूपपुर में विस्थापन कार्य (डायवर्सन) लम्बाई-0.5 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 44.73 लाख.
5. 132 केवी अनूपपुर से मेसर्स एम. बी. पॉवर (एमपी) लिमिटेड लाईन का 220 के.वी. उपकेन्द्र अनूपपुर से लोकेशन क्रमांक 61 तक द्वितीय परिपथ का कार्य लम्बाई-3.5 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 52.29 लाख.

(II) डिपॉजिट कार्य :

(उपभोक्ता सहभागिता कार्यान्तर्गत किये जाने वाले पारेषण लाईन निर्माण एवं संशोधन/विस्थापन कार्य)

1. 220 केवी उपकेन्द्र दालोदा से मेसर्स रिनियूएबल एनर्जी जनरेशन प्रायवेट लिमिटेड के दालोदा, जिला मंदसौर में प्रस्तावित 100.5 मेगावाट पवन उर्जा विद्युत उत्पादन गृह तक 220 के.व्ही. डीसीएसएस लाईन का निर्माण, लम्बाई-1 × 19.00 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 1355.79 लाख.
2. 220 केवी उपकेन्द्र शाजापुर से मेसर्स गमेशा विन्ड टर्बाइन प्रायवेट लिमिटेड के चान्दगढ़, जिला देवास में प्रस्तावित 150 मेगावाट पवन उर्जा विद्युत उत्पादन गृह तक 132 के.व्ही. डीसीडीएस लाईन का निर्माण, लम्बाई-2×23.00 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 1288.00 लाख.
3. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कं. लि. की 33 के.व्ही. बरमान-बीतली लाईन की टावरों से नर्मदा नदी क्रॉसिंग, लम्बाई-1×0.435 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 49.30 लाख.
4. 132 के. व्ही. पाण्डुर्ना-बोरगाँव एकल परिपथ लाईन को मेसर्स सी.एल.सी. टेक्सटाइल पार्क प्रायवेट लिमिटेड द्वारा ग्राम—हिवरसेनद्वार, तहसील पाण्डुर्ना, जिला छिन्दवाड़ा में प्रस्तावित 132 के. व्ही. उपकेंद्र में लिलो करने हेतु 132 के.व्ही.डी.सी.डी.एस. लाईन का निर्माण, लम्बाई-2×6.60 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 451.56 लाख.
5. रेल विकास निगम लिमिटेड भोपाल द्वारा बोरदई में प्रस्तावित कर्षण विद्युत उपकेन्द्र को 132 के. व्ही. उपकेन्द्र आमला से विद्युत आपूर्ति हेतु 132 के. व्ही. 1-फेस, 2-वायर डीसीएसएस लाईन का निर्माण, लम्बाई-1 × 27.00 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 1261.88 लाख.
6. रेल विकास निगम लिमिटेड भोपाल द्वारा परासिया में प्रस्तावित कर्षण विद्युत उपकेन्द्र को 220 के. व्ही. उपकेन्द्र छिन्दवाड़ा से विद्युत आपूर्ति हेतु 220 के. व्ही. 1-फेस, 2-वायर डीसीएसएस लाईन का निर्माण, लम्बाई-1×52.00 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 3579.80 लाख.
7. 132 के. व्ही. उपकेन्द्र इच्छावर से मेसर्स वारी एनर्जी लिमिटेड के ग्राम मोर्गा, इच्छावर जिला भोपाल में प्रस्तावित 50 मेगावाट सौर्य उर्जा विद्युत उत्पादन गृह तक 132 के.व्ही.डी.सी.एस.एस. लाईन का निर्माण, लम्बाई-1×10.00 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 460.00 लाख.
8. 132 के. व्ही. डीसीडीएस अमरकण्टक-राजमिलान लाईन (पूर्व में अमरकण्टक-मोरवा लाइन) को मेसर्स ए.पी.एम.डी.सी.एल. एवं मेसर्स एम.पी.जे.सी.एल. को विद्युत आपूर्ति हेतु ग्राम-सुलियारी/डोंगरीताल, जिला-सिंगरौली में प्रस्तावित 132/33 के.व्ही. विद्युत उपकेन्द्र में लिलो करने 132 के.व्ही. डीसीडीएस लाईन का निर्माण, लम्बाई-2 × 1.20 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 97.60 लाख.
9. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कं. लि. की 33 के. व्ही. पृथ्वीपुर-प्रतापपुरा लाईन की टावरों से बेतमा नदी क्रॉसिंग, लम्बाई-2 × 0.82 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 173.59 लाख.
10. मेसर्स रिलायेन्स सीमेन्ट कंपनी प्रायवेट लिमिटेड के ओवर हेड कनवेयर सिस्टम के कारण 132 के. व्ही. मैहर-कैमोर डीसीडीएस लाईन का लोकेशन क्रमांक 63 से 69 के बीच संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-1×1.80 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 122.39 लाख.
11. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, कटनी द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक एनएच-7 के रीवा-जबलपुर अनुभाग के 4/6 फोरलेन रोड में परिवर्तित किये जाने की योजना के फलस्वरूप 132 के. व्ही. अमरपाटन-बाणसागर (पीएच-4) डीसीडीएस लाईन का लोकेशन क्रमांक 6 से 8 तक संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-2×1.71 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 37.31 लाख.
12. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, कटनी द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक एनएच-7 के रीवा-जबलपुर अनुभाग के 4/6 फोरलेन रोड में परिवर्तित किये जाने की योजना के फलस्वरूप 132 के. व्ही. मैहर (220 के. व्ही. उपकेन्द्र) अमरपाटन डीसीडीएस लाईन का गैन्ट्री से लोकेशन क्रमांक 02 तक संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-2 × 0.31 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 38.54 लाख.

13. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, कटनी द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक एनएच-7 के रीवा-जबलपुर अनुभाग के 4/6 फोरलेन रोड में परिवर्तित किये जाने की योजना के फलस्वरूप 132 के. व्ही. मैहर (220 के. व्ही. उपकेन्द्र) मैहर सीमेंट डीसीएसएस लाईन का लोकेशन क्रमांक 6 एवं 8 तक संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-1 × 0.41 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 36.92 लाख.
14. पश्चिम मध्य रेल्वे द्वारा रीवा-सीधी ब्रॉडगेज रेलवे लाईन के प्रस्तावित निर्माण के फलस्वरूप 220 के. व्ही. रीवा-सतना/सीधी लाईन का लोकेशन क्रमांक 05 से 08 तक संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-2 × 1.00 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 160.99 लाख.
15. पश्चिम मध्य रेल्वे द्वारा रीवा-सीधी ब्रॉडगेज रेलवे लाईन के प्रस्तावित निर्माण के फलस्वरूप 132 के. व्ही. रीवा-सतना/सीधी लाईन का लोकेशन क्रमांक 17 से 20 तक संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-2 × 0.80 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 70.71 लाख.
16. पश्चिम मध्य रेल्वे द्वारा रीवा-सीधी ब्रॉडगेज रेलवे लाईन के प्रस्तावित निर्माण के फलस्वरूप 132 के. व्ही. रीवा-जे.पी. (बघवार) सीमेंट लाईन का लोकेशन क्रमांक 02 से 03 तक संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-2 × 0.2 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 14.07 लाख.
17. देवपुर तालाब के डूब क्षेत्र से बाहर करने हेतु 132 के. व्ही. टीकमगढ़-बिजावर लाईन का लोकेशन क्रमांक 30 से 37 तक संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-1 × 2.19 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 258.75 लाख.
18. पश्चिम रेल्वे द्वारा रतलाम एवं फतेहाबाद के बीच रेलपथ का गेज परिवर्तन के कारण 132 के. व्ही. रतलाम-बड़नगर एकल परिपथ लाईन का लोकेशन क्रमांक 11 से 16 के बीच संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-1 × 1.25 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 102.27 लाख.
19. पश्चिम रेल्वे द्वारा रतलाम एवं फतेहाबाद के बीच रेलपथ का गेज परिवर्तन के कारण 132 के. व्ही. उज्जैन-इंगोरिया/बड़नगर लाईन का लोकेशन क्रमांक 191 से 194 के बीच संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-1 × 1.26 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 70.89 लाख.
20. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, शिवपुरी द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक एनएच-3 रोड के ग्वालियर-शिवपुरी अनुभाग के 2-लेन से 4-लेन में उन्नयन किये जाने की योजना के फलस्वरूप 132 के. व्ही. ग्वालियर-पिछोर डीसीडीएस लाईन का लोकेशन क्रमांक 44 से 47 के बीच संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-2 × 0.99 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 40.67 लाख.
21. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, शिवपुरी द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक एनएच-3 रोड के ग्वालियर-शिवपुरी अनुभाग के 2-लेन से 4-लेन में उन्नयन किये जाने की योजना के फलस्वरूप 220 के. व्ही. बीना-शिवपुरी डीसीडीएस लाईन का लोकेशन क्रमांक 481 से 484 के बीच संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-2 × 1.50 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 86.78 लाख.
22. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, शिवपुरी द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक एनएच-3 रोड के ग्वालियर-शिवपुरी अनुभाग के 2-लेन से 4-लेन में उन्नयन किये जाने की योजना के फलस्वरूप 132 के. व्ही. शिवपुरी (220 के. व्ही. उपकेन्द्र)-शिवपुरी (132 के.व्ही. उपकेन्द्र) डीसीडीएस इंटरकनेक्टर लाईन का लोकेशन क्रमांक 37 से 39 के बीच संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-2 × 0.70 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 31.78 लाख.
23. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, शिवपुरी द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक एनएच-3 रोड के ग्वालियर-शिवपुरी अनुभाग के 2-लेन से 4-लेन में उन्नयन किये जाने की योजना के फलस्वरूप 132 के. व्ही. शिवपुरी (220 के. व्ही. उपकेन्द्र)-कोलारस डीसीएसएस लाईन का लोकेशन क्रमांक 26 से 28 के बीच संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-1 × 0.61 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 41.62 लाख.
24. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, शिवपुरी द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक एनएच-3 रोड के ग्वालियर-शिवपुरी अनुभाग के 2-लेन से 4-लेन में उन्नयन किये जाने की योजना के फलस्वरूप 132 के. व्ही. शिवपुरी (220 के. व्ही. उपकेन्द्र)-कोलारस डीसीएसएस लाईन का लोकेशन क्रमांक 42 से 44 के बीच संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-1 × 0.77 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 28.52 लाख.
25. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, कटनी द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक एनएच-59 रोड के इंदौर-अहमदाबाद अनुभाग में फोरलेन रोड निर्माण के फलस्वरूप 220 के. व्ही. राजगढ़ (220 के. व्ही. विद्युत उपकेन्द्र) राजगढ़ (400 के. व्ही. वि. उ. के.) डीसीडीएस अन्तर सम्पर्क लाईन का लोकेशन क्रमांक 27 से 30 के बीच संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-2 × 0.883 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 55.30 लाख.
26. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, कटनी द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक एनएच-59 रोड के इंदौर-अहमदाबाद अनुभाग में फोरलेन रोड निर्माण के फलस्वरूप 220 के. व्ही. पीथमपुर (400 के. व्ही. विद्युत उपकेन्द्र) राजगढ़ डीसीडीएस लाईन का लोकेशन क्रमांक 29 से 32 के बीच संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-2 × 0.99 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 58.75 लाख.

27. मेसर्स एन.टी.पी.सी. लिमिटेड, गाडरवारा, जिला नरसिंगपुर के परियोजना क्षेत्र से 220 के. व्ही. नरसिंगपुर-इटारसी डीसीडीएस लाईन के विस्थापन हेतु लाईन का संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-2 × 7.5 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 1763.68 लाख.
28. भोपाल बायपास रोड निर्माण के फलस्वरूप 220 के. व्ही. भोपाल-आष्टा सर्किट-1 लाईन का लोकेशन क्रमांक 230 से 232 तक संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-1 × 2.30 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 57.11 लाख.
29. एमपीआरडीसी लिमिटेड द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-7 के रीवा शहर (229/10 किमी) से म.प्र./उ.प्र. सीमा (140/6 किमी) तक प्रस्तावित 4-लेन रोड के निर्माण के फलस्वरूप 220 के.व्ही. रीवा-बाणसागर (टोन्स) डीसीडीएस लाईन का लोकेशन क्रमांक 123 से 126 के बीच संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-2 × 0.75 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 64.80 लाख.
30. एमपीआरडीसी लिमिटेड द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-7 के रीवा शहर (229/10 किमी) से म.प्र./उ.प्र. सीमा (140/6 किमी) तक प्रस्तावित 4-लेन रोड के निर्माण के फलस्वरूप 132 के.व्ही. रीवा-मनगवाँ लाईन का लोकेशन क्रमांक 99 से 101 के बीच संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-2 × 0.43 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 32.37 लाख.
31. एमपीआरडीसी लिमिटेड द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-7 के रीवा शहर (229/10 किमी) से म.प्र./उ.प्र. सीमा (140/6 किमी) तक प्रस्तावित 4-लेन रोड के निर्माण के फलस्वरूप 132 के.व्ही. रीवा-मनगवाँ लाईन का लोकेशन क्रमांक 103 से 105 के बीच संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-2 × 0.65 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 28.66 लाख.
32. प.म.रे. द्वारा प्रस्तावित ललितपुर-खजुराहो ब्राडगेज रेलवे लाईन के निर्माण के फलस्वरूप 132 के. व्ही. छतरपुर-बिजावर एकल परिपथ लाईन का संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-1 × 1.00 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 70.87 लाख.
33. प.म.रे. द्वारा प्रस्तावित ललितपुर-खजुराहो ब्राडगेज रेलवे लाईन के निर्माण के फलस्वरूप 132 के. व्ही. छतरपुर-खजुराहो डीसीएसएस लाईन का संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-1 × 0.40 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 39.28 लाख.
34. प.म.रे. द्वारा प्रस्तावित ललितपुर-खजुराहो ब्राडगेज रेलवे लाईन के निर्माण के फलस्वरूप 220 के. व्ही. सतना-छतरपुर डीसीडीएस लाईन का संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-2 × 1.00 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 127.44 लाख.
35. मेसर्स विश्वकर्मा मिनरल्स प्राय. लिमि. कटनी द्वारा ग्राम-हीरानगर, तहसील सिहोरा, जिला जबलपुर में प्रस्तावित खनन के कारण 132 के. व्ही. जबलपुर-कटनी डीसीडीएस लाईन का संशोधन/विस्थापन, लम्बाई-2 × 4.20 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 235.20 लाख.
36. 132 के. व्ही. डीसीडीएस होशंगाबाद (220 के. व्ही. उपकेन्द्र)-मेसर्स ट्रायडेंट लिमि. बुधनी (पूर्व में अभिषेक इंडस्ट्रीज लिमि.) लाईन के द्वितीय परिपथ का निर्माण, लम्बाई-9.1 कि.मी., अनुमानित लागत- रु. 134.72 लाख.

(III) कुल अनुमानित लागत : उपरोक्त कार्यों की कुल अनुमानित लागत लगभग 131.42 करोड़ रु. है.

(3) टावर, खम्भे, तार आदि लगाने का अधिकार :

उपरोक्त स्वीकृत परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड, विद्युत अधिनियम, 2003 के अन्तर्गत प्रदत्त सभी अधिकारों एवं उक्त अधिनियम के अन्तर्गत बनाये गये अनुज्ञप्तिधारियों का संकर्म नियम, 2006 के अधिकारों का भी प्रयोग करेगी. विद्युत के पारेषण एवं वितरण के लिए अथवा टेलीफोनिक या टेलीग्राफिक सिग्नलों के पारेषण हेतु टावर, खम्भे, तार दीवार ब्रेकेट, स्टे यंत्रों और उपकरणों को लगाने के लिए विद्युत अधिनियम, 2003 (संशोधनों, नियमों एवं उप-नियमों सहित) एवं उपरोक्त वर्णित नियम, 2006 के प्रावधानों के अनुसार मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड को वे सभी अधिकार हैं एवं उनका वह उपयोग करेगी जो भारतीय तार यंत्र अधिनियम, 1885 (1885 का 13) के तहत भारतीय तार यंत्र प्राधिकरण को रख-रखाव अथवा स्थापित या भविष्य में स्थापित किये जाने वाले तार यंत्र के सम्बन्ध में प्राप्त हैं.

(4) एतद्द्वारा मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड द्वारा स्वीकृत उपरोक्त पारेषण परियोजनायें राजपत्र एवं समाचार-पत्रों में प्रकाशन द्वारा जनता को अधिसूचित की जाती हैं.

के. के. सक्सेना,

मुख्य अभियंता (कारपोरेट अफेयर्स एवं आई.टी.)

मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड,

शक्ति भवन, रामपुर-जबलपुर.

आम सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि फर्म मेसर्स वृंदावन टाईल्स जिसका पंजीयन क्रमांक 342 है जो कि उज्जैन फर्म एण्ड सोसायटी कार्यालय में पंजीबद्ध है जिसके प्रथम भागीदार श्री गोपाल पाटीदार वल्द श्री बल्लभ पाटीदार एवं द्वितीय भागीदार श्री जुगल किशोर पाटीदार वल्द श्री चुन्नीलाल पाटीदार को दिनांक 24-02-2013 को उक्त फर्म से पृथक् किये हैं. नये भागीदार श्री रमेश सिंग बल्द श्री देवी सिंग गुर्जर एवं मोईजउर्रमान पिता मोहसिन उस्मानी का उक्त फर्म में समावेश किया गया है. जिस पर यदि किसी को आपत्ति हो तो 7 दिवस के अंदर इस पते पर संपर्क करें.

मेसर्स वृंदावन टाईल्स,
श्री मुरलीधर श्री वल्लभ
(पार्टनर).
उज्जैन (म. प्र.)

(671-बी.)

आम सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री चन्द्रप्रकाश शर्मा (सी. पी. शर्मा) आ. स्व. श्री मधुसूदन नाथ शर्मा, निवासी—ई-7/734, अरेरा कॉलोनी, भोपाल, म. प्र. तथा वेदप्रकाश शर्मा (वी. पी. शर्मा) आ. स्व. श्री मधुसूदन नाथ शर्मा, आयु 56 वर्ष, निवासी—ई-7/734, अरेरा कॉलोनी, भोपाल, म. प्र. एवं श्री बृज शर्मा आ. स्व. श्री मधुसूदन नाथ शर्मा, आयु 66 वर्ष, निवासी एच. आई. जी.-17-ए, विद्या नगर, नियर बरकतउल्ला यूनीवर्सिटी के पास, भोपाल, मध्यप्रदेश मेसर्स दौलत राम इन्डस्ट्रीज के भागीदारी से पृथक् हो गये हैं. अब फर्म के भागीदार श्री सतीश नाथ शर्मा आ. स्व. श्री मधुसूदन नाथ शर्मा, आयु 72 वर्ष, निवासी एच. एक्स.-1 ई-7, एक्सटेंशन अरेरा कॉलोनी, भोपाल, श्री शोभित शर्मा आ. श्री एस. एन. शर्मा, आयु 22 वर्ष, निवासी एच. एक्स.-1 ई-7, एक्सटेंशन अरेरा कॉलोनी, भोपाल एवं श्रीमती अरूणा शर्मा पत्नी श्री एस. एन. शर्मा, आयु 70 वर्ष, निवासी—एच. एक्स.-1 ई-7, एक्सटेंशन अरेरा कॉलोनी, भोपाल हैं. फर्म से पृथक् हुये भागीदार दिनांक 31-3-2013 से फर्म से संबंधित समस्त जिम्मेदारी, दायित्वों एवं उत्तर दायित्वों से मुक्त कर दिये गये हैं. फर्म से सम्बन्धित अथवा व्यक्तिगत ली गई ऋण गारण्टी इत्यादि से भी इन्हें पूर्णतः मुक्त कर दिया गया है. अब इनका फर्म से संबंधित कोई भी अधिकार एवं दायित्व शेष नहीं बचा है. कोई भी व्यक्ति फर्म, संस्था से पृथक् हुये भागीदारों से किसी भी प्रकार का कोई लेन-देन व संव्यवहार न करे व जरिये इस नोटिस यह सूचित किया जाता है कि यदि किसी भी तरह का लेन-देन अथवा अन्य व्यवहार कोई भी व्यक्ति विशेष अथवा संस्था एवं अन्य कोई फर्म से पृथक् हुये भागीदारों से करता है तो वह स्वयं इसके लिये जिम्मेदार होगा. फर्म अथवा उसके मौजूदा भागीदारों की किसी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी.

मे. दौलतराम इण्डस्ट्रीज,
सतीशनाथ शर्मा,

10-E इण्डस्ट्रियल स्टेट, गोविन्दपुरा, भोपाल (म. प्र.). एवं
141 सेक्टर आई.आई.डी.सी., इन्टीग्रेटेड इण्डस्ट्रियल एरिया,
हरिद्वार, उत्तराखण्ड.

(672-बी.)

NOTICE**NOTIFICATION UNDER SECTION 72 OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT. 1932**

Notice is hereby given for public information that Shri Manoj Bansal S/o Shri Shiv Shankar Bansal has retired from the partnership business of the firm named M/s Shri Harmani industries, 24, Udhog Nagar, opposite Agrwal toll kante wali gali, Nemawar Rode, Palda, Indore (M.P.) as partner vide registration No. 03/27/00091/11, dated 03 August 2011 as from 01/04/2012 and Shri Sunil Bansal S/o Shri Shyamsunder Bansal have been admitted in the partnership Business of the said firm as a partner as from 01/04/2012 and the Constitution of the firm stands altands altered accordingly.

For SHRI HARMANI INDUSTRIES
SHYAMSUNDER BANSAL,
(Partner).

(673-B.)

JAHIR SUCHNA

According to Provisions of partnership Act 1932 we are intimate to general public that our client M/s M.N.JAIN & SONS Address Barwani Road, Anjad Dist. Barwani, M.P. whose registration No. Is 44 of 2003-04 had retire 1 partner from the firm with effect from 20.08.2006 due to death of our partner named Shri Hirachand Jain S/o Shri Maganlal Jain Resident of Barwani Road, Anjad Dist. Barwani, M.P.

Dharmendra Agerawal,
(Prop.).

From Agrawal Jhavar Associates,
Chartered Accountants.

(680-B.)

NOTICE**NOTIFICATION UNDER SECTION 72 OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT, 1932**

Notice is hereby given for public information that Shri Ashok Kumar Jain S/o Shri Kalyanmal Jain & Shri Sharad Kumar Jain S/o Shri Kalyanmal Jain retired from the partnership business of the firm Named M/s Jawahar Udyog, 39, Sajan Nagar, Indore (MP) as partner vide registration No. 632, dated 23-06-1984 Year : 1984-85 as from 01/04/2011 and the constitution of the firm stands altered accordingly.

For M/s Jawahar Udyog,
Kalyanmal Jain,
(Partner).

(675-B.)

NOTICE**NOTIFICATION UNDER SECTION 72 OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT, 1932**

Notice is hereby given for public information that Smt. Neelam Jain W/o Shri Arun Kumar Jain, Shri Lokesh Sharma S/o Shri Radheshyam Sharma & Smt. Sunita Sharma W/o Lokesh Sharma have been admitted in the partnership business of the firm named M/s Jawahar Udyog, 39, Sajan Nagar, Indore (MP) as partner vide registration No. 632, dated 23-06-1984 Year : 1984-85 as from 11/11/2011 and the constitution of the firm stands altered accordingly.

For M/s Jawahar Udyog,
Kalyanmal Jain,
(Partner).

(674-B.)

NOTICE**U/S. 72 OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT, 1932**

Notice is hereby given that the firm "M/s VRANDAWAN CONSTRUCTION CO." of Bhopal Vide Reg. No. 00285/2013-2014 dated 15/10/2013 undergone the following changes:-

1. That Shri K. L. Sharma S/o Late Shri Shreedhar Sharma, Smt. Rukmani Devi Sharma w/o Shri K. L. Sharma and Shri K. K. Bajaj S/o Late Shri M. M. Bajaj has Joined the Partnership firm and the business of partnership firm shall be Changed at 4, Liladhar Colony, Near Bhanpur Over Bridge, Main Road, Bhanpur, Bhopal (M.P.) w.e.f. 26th day of March 2011 and Shri Bhavsingh Rajput S/o Late Shri Mool Chandji Rajput has expressed his desire to retire from the Partnership firm and the Principal Place of business of partnership firm shall be carried at 13A, Zone-I, M. P. Nagar, Bhopal (M.P.) w.e.f. 21st day of October 2013.

"M/s VRANDAWAN CONSTRUCTION CO."

S. K. Maheshwari,
(Partner).

(676-B.)

13-A, Zone-I, M. P. Nagar, Bhopal (M.P.)

NOTICE

This is to notify that Shri Mahraj Mehaldas S/o Santdas, Shri Gehimal S/o Shri Sewaram Tavrani, Rewachand S/o Shri Datumal & Shri Parmanand S/o Shri Soomarmal Kookareja have retired from the partnership firm M/s Vastiram and company Dewas. And Shri Keshav S/o Shri Aavatram Wadhwani has admitted as a new partner in the said firm by mutual consent. With effect from 01/04/1994.

For Vastiram and Company,
Kamla,
(Partner).

(677-B.)

NOTICE**NOTIFICATION UNDER SECTION 72 OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT, 1932**

Notice is hereby given for public information that Shri Manish Bansal S/o Shri Shyamsunder Bansal and Shri Lalit Bansal S/o Shri Shyamsunder Bansal have been admitted in the business of the firm M/s Shri Harmani industries,

24, Udhyog Nagar, opposite Agrewal toll kante wali gali, Nemawar Rode, Palda, Indore (MP.) vide registration No. 03/27/01/00091/11 dated 03rd August 2011 as the Partners as from 02/12/2013 and the Constitution of the said firm stands, stands altered accordingly.

For SHRI HARMANI INDUSTRIES
SHYAMSUNDER BANSAL,
 (Partner).

(679-B.)

जाहिर सूचना

15 जनवरी, 2014 को मेसर्स विश्वमंगल व कन्स्ट्रक्शन प्रोजेक्ट, मनावर की बैठक बुलाई गई जिसमें—

फर्म में आने वाले नये साझेदारों के			फर्म में स्वेच्छा से बाहर होने वाले साझेदारों के		
पूर्ण नाम एवं प्रवेश तिथि			नाम एवं निर्गम तिथि		
1.	अनुराग देवेशजी जैन	15-01-2014	1.	लवेश प्रवीणजी कटोड	15-01-2014
2.	विजय भगवानजी काग	15-01-2014	2.	श्रीमती शिवकौर स्व. पुजांजी	15-01-2014
3.	श्रीमती धमुबाई बालाजी	15-01-2014	3.	हुकुमचन्द्र स्व. दुर्गालालजी	15-01-2014
4.	अतुल पारसमलजी खटोड	15-01-2014	4.	सुमित चिम्मनलालजी	15-01-2014
5.	महेन्द्र गोविन्द मुजालदा	15-01-2014	5.	सचिन अरविन्दजी	15-01-2014
6.	निखिल गिरीश पंजाबी	15-01-2014	6.	राजेश जगदीश शर्मा	15-01-2014
7.	सुभाष देवजी पाटीदार	15-01-2014	7.	अभिषेक सुभाषचन्द्र भंडारी	15-01-2014
8.	मुस्तफा नजमुददीन बोहरा	15-01-2014	8.	अमित हुकुमचन्द्र शर्मा	15-01-2014
9.	मोहन लाल वंशीधर शर्मा	15-01-2014	9.	श्रीमती द्वारिकाबाई जगदीश	15-01-2014
10.	संतोष भगवानजी पाटीदार	15-01-2014	10.	रोहित ओमकारलालजी	15-01-2014
11.	संतोष लालारामजी वर्मा	15-01-2014	11.	सौरभ अरविन्द पाण्डेय	15-01-2014
12.	संजय केशवदत्तजी शर्मा	15-01-2014	12.	पारस कुमार रमेश चन्द्र	15-01-2014
13.	मंशाराम तुलसीरामजी	15-01-2014			
14.	अंतिम बुदालालजी पाटीदार	15-01-2014			
15.	पानवाई दगडिया मुबेल	15-01-2014			
16.	लखन तुलसीरामजी पाटीदार	15-01-2014			

रजिस्ट्रेशन क्र. 03/28/01/00037/12 है.

(678-बी.)

सुशील कुमार,
 (भागीदार)

मेसर्स विश्वमंगल कमर्शियल व कन्स्ट्रक्शन प्रोजेक्ट,
 गुलाटी रोड, मनावर, जिला धार (म. प्र.).

NOTICE

U/S 72 OF THE INDIAN PARTNERSHIP ACT, 1932

Notice is hereby given that the Firm "Parameter Engineering Projects" of Bhopal vide registration No. 662/1991-92 dated 18th September, 1991 Undergone the following changes 1. Partner Pramod Kumar Geetey S/o Shri B. K. Geetey has taken retirement and Mrs. Sangeeta Nema W/o Mr. Anand Kumar Nema Joined as new Partner w.e.f. 1-4-2007.

For Parameter Engineering Projects
Anand Kumar Nema,
 (Partner)

221, Zone II, M.P. Nagar Bhopal.

(676-B.)

उप-नाम परिवर्तन

सूचित किया जाता है कि मेरा पूर्व का नाम डॉ. महेशलाल जाटव है। मैंने अपना उपनाम परिवर्तन कर लिया है। अतः अब मुझे आज से नये नाम डॉ. महेशलाल जारोलिया के नाम से जाना जाए।

पुराना नाम :

(महेशलाल जाटव)

(670-बी.)

नया नाम :

(महेशलाल जारोलिया)

पता-क्वार्टर नं. 5, जमातखाना के सामने,
केप्टन हीरासिंह मार्ग, महिदपुर सिटी, जिला उज्जैन.

नाम परिवर्तन

मेरा नाम कैलाश पिता रामु है जिसे मैंने बदलकर किशोर पिता रामु कर लिया है। अब मुझे किशोर पिता रामु के नाम से जाना जाये। भविष्य में सभी शासकीय एवं शिक्षा प्रमाण-पत्रों में परिवर्तित नाम किशोर पिता रामु से संबोधित किया जाए एवं पढ़ा जाए।

पुराना नाम :

(कैलाश)

(681-बी.)

नया नाम :

(किशोर पिता रामु)

इन्दिरा नगर, बहादुरपुर रोड,
जिला बुरहानपुर (म.प्र.).

विविध**न्यायालयों की सूचनाएं****न्यायालय पंजीयक, सार्वजनिक लोक न्यास , ग्वालियर**

ग्वालियर, दिनांक 07 मार्च, 2014

प्र. क्र. /2013-14/बी-113 (1).

प्रारूप-4

[मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 (1951 का तीसवां) की धारा-5 की उपधारा (2) और
मध्यप्रदेश लोक न्यास नियम, 1962 के नियम-5 (1) देखिए]

श्री शिवमंगल सिंह कुशवाह, अध्यक्ष श्री शारदा मेहरोत्रा स्मृति न्यास, न्यू कॉलोनी नं. 02, बिरला नगर, ग्वालियर (म. प्र.) ने मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 (1951 का तीसवां) की धारा-4 के अधीन अनुसूची में लोक न्यास की तरह विनिर्दिष्ट की गई सम्पत्ति के पंजीयन के लिये आवेदन किया है। एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मेरे न्यायालय में दिनांक 07 अप्रैल, 2014 को विचार के लिये लिया जावेगा।

कोई व्यक्ति जो उक्त न्यास या सम्पत्ति में हित रखता हो और उसके बारे में कोई आपत्तियां करने या सुझाव देने का विचार रखता हो उसे इस सूचना लोक न्यास है उसका गठन करता है।

अतः मैं, पंजीयक, लोक न्यास जिला ग्वालियर का लोक न्यासों का पंजीयक अपने न्यायालय में नियत दिनांक 07 अप्रैल, 2014 को उक्त अधिनियम की धारा-5 की उपधारा (1) के द्वारा यथा अपेक्षित जांच करना प्रस्तावित करता है।

अतः एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त न्यास या सम्पत्ति का कोई न्यासधारी या कार्यकारी न्यासधारी उसमें हित रखने वाले व्यक्ति को इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से एक माह के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन प्रस्तुत करना और कोर्ट में मेरे समक्ष उपरोक्त दिनांक को या तो व्यक्तिशः या अभिभाषक अथवा अभिकर्ता के द्वारा उपस्थित होना चाहिये। उपरोक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों को विचार के लिए ग्रहण नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

(लोक न्यास का नाम और पता तथा सम्पत्ति का वर्णन)

1. लोक न्यास का नाम और पता . . . “ श्री शारदा मेहरोत्रा स्मृति न्यास, न्यू कॉलोनी नं. 02, बिरला नगर, ग्वालियर.
2. चल सम्पत्ति . . . निरंक.
3. अचल सम्पत्ति . . . 10,00,000/- का भवन एवं अन्य सामान.

बक्की कार्तिकेयन,
पंजीयक.

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी एवं पंजीयक, लोक न्यास, डबरा, जिला ग्वालियर

डबरा, दिनांक 06 मार्च, 2013

प्र. क्र. 03/2012-13/बी-113 (1).

प्रारूप-4

[नियम-5 (1) देखिए]

आवेदक डॉ. डी. एस. ठाकुर, अध्यक्ष नारायणप्रसाद राष्ट्रोत्थान न्यास, डबरा, जिला ग्वालियर एवं अन्य द्वारा श्री नारायणप्रसाद राष्ट्रोत्थान न्यास, डबरा, जिला ग्वालियर, म. प्र. के पंजीयन हेतु मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 की धारा-4 के अधीन आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतः एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त न्यास संबंधी कोई न्यासधारी या उसमें हित रखने वाले और किसी आपत्ति या सुझाव रखने वाले इस सूचना के तीस दिवस के अन्दर दो प्रतियों में लिखित कथन प्रस्तुत करना और मेरे न्यायालय में मेरे समक्ष नियत अवधि के अन्दर या तो स्वयं या अभिभाषक या अभिकर्ता के द्वारा उपस्थित होना चाहिये। उपरोक्त अवधि के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों को विचार के लिये ग्रहण नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

लोक न्यास का नाम और पता	..	नारायणप्रसाद राष्ट्रोत्थान न्यास, डबरा, वार्ड नं. 19, वर्तमान वार्ड नं. 21, ढीमर मोहल्ला, डबरा, जिला ग्वालियर, म. प्र.
अचल सम्पत्ति	..	न्यास की भूमि/भवन स्थित वार्ड क्रमांक 21, ढीमर मोहल्ला, डबरा, आंकलित अनुमानित मूल्य दस लाख रुपये.
चल सम्पत्ति	..	टेबिल, कुर्सी, अलमारी एवं अन्य फर्नीचर व साहित्य आंकलित अनुमानित मूल्य पचास हजार रुपये.

बी. विजय दत्ता,

अनुविभागीय अधिकारी एवं पंजीयक.

(221)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी एवं रजिस्ट्रार, लोक न्यास, गुना

प्र. क्र. बी 121/2009-2010.

प्रारूप-पाँच

[नियम-5 (1) देखिए]

[मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 (1951 का 30) की धारा-5 की उपधारा (2) और मध्यप्रदेश लोक न्यास नियम, 1962 का नियम-5 (1) देखिए]

श्री बूढ़े बालाजी मंदिर लोक न्यास, गुना, बूढ़े बालाजी गुना, तहसील व जिला गुना द्वारा :-

1. संदीप शर्मा पुत्र श्री बृजनारायण शर्मा, निवासी नयापुरा, गुनाअध्यक्ष
2. रामबाबू भार्गव आत्मज श्री बैजनाथ प्रसाद भार्गव, निवासी गुनासचिव
3. भगवानलाल पुष्पद आत्मज श्री ओमकार लाल जी पुष्पद, निवासी गुनाकोषाध्यक्ष
.....आवेदक

चूँकि श्री संदीप शर्मा, रामबाबू भार्गव एवं भगवानलाल पुष्पद निवासीगण गुना, ग्राम, तहसील व जिला गुना ने मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 (1951 का 30) की धारा-4 के अधीन अनुसूची में लोक न्यास की तरह विनिर्दिष्ट की गई सम्पत्ति के पंजीयन के लिए आवेदन दिया है। मुझे यह प्रतीत होता है कि, अनुसूची में विनिर्दिष्ट संपत्ति मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 (1951 का 30) की धारा-2 की उपधारा (4) के आशय के अधीन लोक न्यास का गठन करता है।

अतः मैं, टी. एन. सिंह, अनुविभागीय अधिकारी, गुना, जिला गुना, अनुविभाग गुना का लोक न्यासों का पंजीयक अपने न्यायालय में दिनांक 28 मार्च, 2014 को उक्त अधिनियम की धारा-5 की उपधारा (1) के द्वारा यथा अपेक्षित जाँच करना प्रस्तावित करता हूँ।

अतः एतद्वारा सूचना दी जाती है कि, उक्त न्यास या सम्पत्ति का कोई न्यासी या कार्यकारी न्यासी या उसमें हित रखने वाले और किसी

आपत्ति का सुझाव प्रस्तुत करने का विचार रखने वाले व्यक्ति को इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से एक मास के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन प्रस्तुत करता है और कोर्ट में मेरे समक्ष उपरोक्त दिनांक को या तो व्यक्तिशः या अभिभाषक या अभिकर्ता के द्वारा उपस्थित होना चाहिये. उपरोक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों को विचार के लिये ग्रहण नहीं किया जावेगा.

अनुसूची

(लोक न्यास की सम्पत्ति का वर्णन, लोक न्यास का नाम व पता)

श्री बूढ़े बालाजी मंदिर लोक न्यास, गुना, बूढ़े बालाजी गुना

लोक न्यास की सम्पत्ति का वर्णन :

(1) न्यास की चल सम्पत्ति का विवरण :— मंदिर लोक न्यास की जो चल सम्पत्ति है, उसका विवरण निम्नानुसार है :—

(अ)	सोने के कड़े एक जोड़ दुर्गा जी के कीमती	..	53,000/- रुपये
(ब)	हार माता जी मय चपड़ी, नग, डोरी सहित	..	54,000/- रुपये
(स)	सोने के अंगूठी	..	7,182/- रुपये
(द)	सोने की माला	..	54,000/- रुपये
(क)	चाँदी मुकुट बालाजी	..	6,615/- रुपये
(ख)	राम-जानकी, लक्ष्मण जी के चाँदी के मुकुट	..	11,745/- रुपये
(ग)	छत्तर चाँदी	..	4,680/- रुपये

कुल योग. . 1,91,222/- रुपये

बूढ़े बालाजी मंदिर के चाँदी के सामान—

(अ) मंदिर में चाँदी के सामान दिनांक 31-05-2013 को कीमती 51,400/- रुपये का अलग से है.

(2) न्यास की अचल सम्पत्ति के ब्यौरे :—

(अ) न्यास की अचल सम्पत्ति मंदिर श्री बूढ़े बालाजी, श्री राम मंदिर, श्री शिव मंदिर, धर्मशाला, पुजारी निवास आदि हैं. जो कि 250 फीट लम्बे और 250 फीट चौड़े क्षेत्रफल में सर्वे क्रमांक-653 पर स्थित हैं. इसके अतिरिक्त मंदिर की बाउन्ड्री से लगकर मंदिर की कुल 21 दुकानें हैं. मंदिर की इस भूमि और बाउन्ड्री में निर्माण की चतुर्सीमा निम्नानुसार है :—

पूर्व में— हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी

पश्चिम में— हनुमान टेकरी रोड

उत्तर में— शासकीय खुली भूमि सर्वे क्रमांक-656/1 पर बने टपरे

दक्षिण में— खुली भूमि जिस पर मध्यप्रदेश विद्युत वितरण कम्पनी की डी. पी. लगी हुई है.

(ब) न्यास की बाउन्ड्री से लगकर न्यास की बाउन्ड्री के बाहर 25 फीट चौड़ी और 250 फीट लम्बी उत्तर दिशा की ओर न्यास की खुली भूमि भी पड़ी हुई है.

(स) सर्वे नम्बर-654 में न्यास का कुंआ भी स्थित है.

(द) पुरानी छावनी गुना में कन्हैयालाल शर्मा व उनकी पत्नी रामसुखी बाई के द्वारा बूढ़े बालाजी मंदिर को दी गई दान की भूमि व उस पर निर्मित मकान.

उपरोक्त सभी अचल सम्पत्ति का मूल्य लगभग 5,00,00,000.00 (पाँच करोड़ रुपये) है.

प्र. क्र. बी 121/2009-2010.

प्ररूप-पाँच

[नियम-5 (1) देखिए]

[मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 (1951 का 30) की धारा-5 की उपधारा (2) और मध्यप्रदेश लोक न्यास नियम, 1962 का नियम-5 (1) देखिए]

श्री मीरी-पीरी लोक न्यास, पगारा, तहसील व जिला गुना द्वारा :—

जत्थेदार बाबा बलकारसिंह आत्मज सरदार सोहनसिंह, आयु लगभग 47 वर्ष, निवासी ग्राम पगारा, तहसील व जिला गुना.

.....आवेदक

चूँकि श्री जत्थेदार बाबा बलकार सिंह आत्मज सरदार सोहन सिंह, निवासी-ग्राम पगारा, तहसील व जिला गुना ने मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 (1951 का 30) की धारा-4 के अधीन अनुसूची में लोक न्यास की तरह विनिर्दिष्ट की गई सम्पत्ति के पंजीयन के लिए आवेदन दिया है. मुझे यह प्रतीत होता है कि अनुसूची में विनिर्दिष्ट संपत्ति मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 (1951 का 30) की धारा-2 की उपधारा (4) के आशय के अधीन लोक न्यास का गठन करता है.

अतः मैं, टी. एन. सिंह, अनुविभागीय अधिकारी, गुना, जिला गुना, अनुविभाग गुना का लोक न्यासों का पंजीयक अपने न्यायालय में दिनांक 28 मार्च, 2014 को उक्त अधिनियम की धारा-5 की उपधारा (1) के द्वारा यथाअपेक्षित जाँच करना प्रस्तावित करता हूँ.

अतः एतद्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त न्यास या सम्पत्ति का कोई न्यासी या कार्यकारी न्यासी या उसमें हित रखने वाले और किसी आपत्ति का सुझाव प्रस्तुत करने का विचार रखने वाले व्यक्ति को इस सूचना के प्रकाशन के दिनांक से एक मास के भीतर दो प्रतियों में लिखित कथन प्रस्तुत करता है और कोर्ट में मेरे समक्ष उपरोक्त दिनांक को या व्यक्तिशः या अभिभाषक या अभिकर्ता के द्वारा उपस्थित होना चाहिये. उपरोक्त अवधि की समाप्ति के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों को विचार के लिये ग्रहण नहीं किया जावेगा.

अनुसूची

(लोक न्यास की सम्पत्ति का वर्णन, लोक न्यास का नाम व पता)

इस लोक न्यास का नाम दनतन बाबा जेठाजी श्री गुरुनानक दल मीरी-पीरी लोक न्यास पगारा है.

लोक न्यास की सम्पत्ति का वर्णन :—

(अ) न्यास की चल सम्पत्ति का विवरण— कुछ नहीं.

(ब) न्यास की अचल सम्पत्ति का विवरण एवं उसका मूल्य—

न्यास के पास वर्तमान में अचल संपत्ति में ग्राम पगारा, तहसील व जिला गुना स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 649/2, रकबा 1.034 हेक्टर भूमि है जो कि वर्तमान में प्रबंधक न्यासी अध्यक्ष बाबा बलकार सिंह आत्मज श्री सरदार सोहनसिंह, निवासी-पगारा के नाम है जो कि उन्होंने दिनांक 19 जुलाई, 2004 को पंजीयत विक्रय-पत्र के द्वारा श्रीमती रनदीप कौर पति श्री सतवीरसिंह सिक्ख से क्रय कर आधिपत्य प्राप्त किया है और वर्तमान में भूमि बाबा बलकार सिंह के नाम है तथा न्यास का पंजीयन होते ही यह भूमि न्यास के नाम नामांतरित करा दी जावेगी.

टी. एन. सिंह,

अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व).

(211-A)

न्यायालय रजिस्ट्रार, पब्लिक ट्रस्ट, इन्दौर

(फॉर्म-चार)

[मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट एक्ट, 1951 (तीस) (95) की धारा-5 (2) व मध्यप्रदेश ट्रस्ट नियम, 1963 नियम-5 (1) के अन्तर्गत]

आरंभ फाउण्डेशन कार्यालय 304, सोना पैलेस, 15, वैकुण्ठ धाम, खजराना रोड, आनन्द बाजार के पास, इन्दौर, मध्यप्रदेश की ओर से श्रीमती प्रियाडा देशमुख एवं निवासी 28, जाय बिल्डर्स कॉलोनी, पलासिया, इन्दौर एवं श्रीमती भावना कोटवाल, निवासी 144, साकेत अपार्टमेंट, श्री नगर एक्सटेंशन, खजराना रोड, इन्दौर द्वारा पब्लिक ट्रस्ट एक्ट की धारा-4 के अन्तर्गत पब्लिक ट्रस्ट के पंजीयन हेतु आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया है.

अतः सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि कोई भी व्यक्ति उक्त ट्रस्ट एवं उसकी सम्पत्ति जिसका विवरण नीचे परिशिष्ट में दिया गया है, के सम्बन्ध में आपत्ति अथवा दावा पेश करना चाहे तो वह नोटिस के राजपत्र में प्रकाशन की दिनांक से एक माह अर्थात् (30 दिन) के अंदर इस न्यायालय में न्यायालयीन दिवस एवं समय में स्वयं या अभिभाषक अथवा अधिकृत मुख्तियार के माध्यम से आपत्ति दो प्रति में प्रस्तुत कर सकते हैं अथवा पंजीकृत डाक द्वारा भी प्रेषित कर सकते हैं.

निश्चित अवधि के उपरान्त प्राप्त आपत्तियों/दावों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा.

परिशिष्ट

(पब्लिक ट्रस्ट का नाम और पता एवं अचल-चल सम्पत्ति का विवरण)

ट्रस्ट का नाम	:	आरंभ फाउण्डेशन
कार्यालय	:	304, सोना पैलेस, 15, वैकुण्ठ धाम, खजुराना रोड, आनन्द बाजार के पास, इन्दौर.
अचल सम्पत्ति	:	निरंक.
चल सम्पत्ति	:	रुपये 10,000/- (रुपये दस हजार मात्र).

आज दिनांक 28 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से प्रसारित किया गया.

विजय कुमार अग्रवाल,
रजिस्ट्रार.

(204)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी एवं रजिस्ट्रार, पब्लिक ट्रस्ट, राजधानी परियोजना, टी. टी. नगर वृत्त, भोपाल

क्र. 222/प्रवा./लो.न्यास/टी.टी.नगर.

भोपाल, दिनांक 07 मार्च, 2014

प्ररूप-4

[नियम-5 (1) देखिये]

[मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 की धारा-5 (2) एवं मध्यप्रदेश लोक न्यास नियम, 1962 के नियम-5 (1) के अन्तर्गत]

जैसा कि “भारतीय विचार संस्थान न्यास” द्वारा श्री कातिलाल चतर, निवासी—ई-7/173 एम.आई.जी., अरेरा कॉलोनी, भोपाल ने मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 की धारा-4 एवं मध्यप्रदेश लोक न्यास नियम-1962 के नियम-2 के तहत एक आवेदन-पत्र अनुसूची में विनिर्दिष्ट सम्पत्ति के लिए लोक न्यास के रूप में पंजीकृत किए जाने हेतु निवेदन किया गया है.

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि, उक्त आवेदन-पत्र पर मेरे न्यायालय में दिनांक 28 मार्च, 2014 को विचार किया जाएगा. कोई भी व्यक्ति जो उक्त ट्रस्ट या सम्पत्ति में हित रखते हों और कोई आपत्ति या सुझाव देना चाहते हों, वे इस सूचना के प्रकाशन के एक माह के अन्दर अपनी आपत्ति अथवा सुझाव दो प्रतियों में मेरे समक्ष स्वयं अथवा यथास्थिति विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकता है. उपरोक्त अवधि के व्यतीत होने के उपरान्त प्राप्त आपत्तियों को विचार में नहीं लिया जाएगा.

अनुसूची

1. ट्रस्ट का नाम	..	“भारतीय विचार संस्थान न्यास”
2. अचल सम्पत्ति	..	प्लॉट नं. ई-2/187, महावीर नगर, अरेरा कॉलोनी, भोपाल.
3. चल सम्पत्ति	..	11,000/-.

चन्द्र मोहन मिश्र,
रजिस्ट्रार.

(205)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी एवं पंजीयक, लोक न्यास, पिछोर, जिला शिवपुरी

प्र. क्र./01/2013-14/बी-113.

पिछोर, दिनांक 16 जनवरी, 2014

फॉर्म-4

[नियम-5 (1) देखिये]

[मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1951 (1951 का 30) की उप-धारा-(2)

और मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1962 के नियम-5 (1) के अन्तर्गत]

चूँकि श्री राजाराम पुत्र मैं बाबूलाल निगोती, निवासी पिछोर द्वारा गहोई वैश्य भवन, पिछोर के विनिर्दिष्ट संपत्ति के पंजीयन हेतु आवेदन-पत्र अंतर्गत धारा-4 मध्यप्रदेश पब्लिक ट्रस्ट एक्ट, 1951 का 30 की धारा-5 की उपधारा-2 और मध्यप्रदेश लोक न्यास अधिनियम, 1962 का नियम-5 (1) प्रस्तुत किया है. एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि आवेदन दिनांक 25 फरवरी, 2014 सुनवाई हेतु नियत है.

कोई भी व्यक्ति जो इस न्यास अथवा सम्पत्ति में हित रखता हो और उस न्यास के संबंध में कोई आक्षेप प्रस्तुत करना चाहता हो या सुझाव देना चाहता हो, तो इस अधिसूचना प्रकाशन के दिनांक से 30 दिवस के भीतर लिखित कथन प्रस्तुत करें तथा नियत दिनांक को स्वयं या अभिभाषक के अथवा अभिकर्ता के द्वारा मेरे समक्ष उपस्थित हों। निर्धारित अवधि के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा।

अनुसूची

(लोक न्यास का नाम व पता तथा लोक न्यास की चल व अचल सम्पत्ति का ब्यौरा)

1. न्यास का नाम : श्री गहोई वैश्य भवन पिछोर, जिला शिवपुरी, मध्यप्रदेश.
2. चल सम्पत्ति : निल
3. अचल सम्पत्ति : धर्मशाला संलग्न नक्शे अनुसार प्लॉट की कीमत 2,00,000/- रुपये एवं धर्मशाला भवन की वर्तमान कीमत लगभग 5,00,000 (पाँच लाख रुपये) है एवं कुल कीमत 7,00,000/- रुपये है.

(206)

अश्विनी कुमार रावत,
अनुविभागीय अधिकारी एवं पंजीयक.

अन्य सूचनाएं

कार्यालय उप-रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं, जिला इन्दौर

इन्दौर, दिनांक 16 जनवरी, 2014

(मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत)

क्र./परि./14/139.—मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत मालव विपणन सहकारी संस्था मर्यादित, महु, जिसका पंजीयन क्रमांक/डी. आर./आय. डी. आर/13, दिनांक 23 दिसम्बर, 1959 है, संस्था के प्रभारी अधिकारी श्री एस. एन. खण्डेलवाल, सहकारी निरीक्षक द्वारा दिनांक 18 नवम्बर, 2013 को प्रतिवेदन कार्यालय में प्रस्तुत किया जिसके अनुसार कार्यालय उपायुक्त सहकारिता, जिला इन्दौर द्वारा दिनांक 21 नवम्बर, 2013 को कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर डाक से भेजा गया. अप्राप्त उत्तर के आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित पाया है. इसका स्पष्ट तात्पर्य है कि संस्था अकार्यशील है.

अतः मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियां जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-एक-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 से प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, जगदीश कनोज, उप-आयुक्त, सहकारिता, जिला इन्दौर मालव विपणन सहकारी संस्था मर्यादित, महु को तत्काल प्रभाव से परिसमापन में लाने का आदेश देता हूँ तथा मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री एस. एन. खण्डेलवाल, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ. यह भी आदेश करता हूँ कि अधिनियम की धारा-71 के अंतर्गत लेनदारियों की वसूली कर सदस्यों की जमा मूल राशि वापस करें. एवं पदाधिकारियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही कर अंतिम प्रतिवेदन कार्यालय को प्रस्तुत करें.

यह आदेश आज दिनांक 16 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(207)

इन्दौर, दिनांक 20 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (ए/क) के अन्तर्गत]

प्रति,

समस्त सदस्यगण,

गोविन्द लीला गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, इन्दौर

द्वारा : (अध्यक्ष/प्रभारी अधिकारी)

पता— 4, पलसीकर कॉलोनी, इन्दौर.

क्र./परि./2014/942.—गोविन्द लीला गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, इन्दौर, जिसका पंजीयन क्र./डी.आर./आय.डी.आर./688, दिनांक 25 जुलाई, 1997 है, जिसे आगे केवल संस्था कहा गया है, के द्वारा जिस प्रयोजन के लिये उसका पंजीयन किया गया था. उसकी पूर्ति नहीं की जा रही है.

श्री विजय दिशोरिया, सहायक अंकेक्षक द्वारा दिये गये पत्र दिनांक 26-09-12 से अवगत कराया है कि संस्था अपनी पंजीकृत उपविधि के प्रावधान अनुसार अंकेक्षण कार्य नहीं कराते हुए अकार्यशील है एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 के प्रावधानों अनुसार कार्य नहीं कर रही है।

इससे स्पष्ट है कि संस्था अपनी पंजीकृत उपविधि एवं मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 के प्रावधानों के अनुरूप कार्य करने में विफल रही है एवं पूर्णतः अकार्यशील प्रतीत होती है। जिस प्रयोजन के लिये संस्था का पंजीयन किया गया है, उनकी पूर्ति नहीं हो रही है।

अतः मैं, जगदीश कनोज, उप-आयुक्त, सहकारिता, जिला इन्दौर, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्र./एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 से प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये गोविन्द लीला गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, इन्दौर का पंजीयन निरस्त करने से पूर्व इस कारण बताओ सूचना-पत्र के माध्यम से संस्था के समस्त सदस्यों को यह अवसर प्रदान करता हूँ कि इस सूचना-पत्र के जारी होने की दिनांक से 07 दिवस के अन्दर मुझे यह स्पष्ट करें कि उपरोक्त कारणों के रहते हुये क्यों न उक्त संस्था का पंजीयन मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (ए/क) (1) के अन्तर्गत निरस्त कर दिया जाये।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 20 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(207-A)

इन्दौर, दिनांक 12 फरवरी, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत]

क्र./परि./14/897.—मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत श्री नारायण गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, इन्दौर, जिसका पंजीयन क्रमांक/डी. आर./आय. डी. आर/619, दिनांक 08 जुलाई, 1996 है, संस्था के सदस्यों द्वारा दिनांक 18-12-13 को एक आवेदन प्रस्तुत कर संस्था को परिसमापन में लाने का अनुरोध किया गया है। कार्यालय उप-आयुक्त, सहकारिता, जिला इन्दौर द्वारा दिनांक 4-1-14 को कारण बताओ सूचना-पत्र जारी किया जाकर डाक से भेजा गया। बहिर्गामी अध्यक्ष का अप्राप्त उत्तर एवं प्रभारी अधिकारी श्री एस. के. व्यास, सहकारी निरीक्षक द्वारा दिनांक 13-1-14 को प्रतिवेदन कार्यालय में प्रस्तुत किया जिसके आधार पर मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत संस्था को परिसमापन में लाया जाना उचित पाया है। इसका स्पष्ट तात्पर्य है कि संस्था अकार्यशील है।

अतः मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियां जो कि मुझे मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की विज्ञप्ति क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-एक-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 से प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं, जगदीश कनोज, उप-आयुक्त, सहकारिता, जिला इन्दौर श्री नारायण गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, इन्दौर को तत्काल प्रभाव से परिसमापन में लाने का आदेश देता हूँ तथा मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री एस. के. व्यास, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ। यह भी आदेश करता हूँ कि अधिनियम की धारा-71 के अन्तर्गत लेनदारियों की वसूली कर सदस्यों की जमा मूल राशि वापस करें। एवं पदाधिकारियों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही कर अंतिम प्रतिवेदन कार्यालय को प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 12 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(207-D)

कार्यालय उप-आयुक्त, सहकारिता, जिला इन्दौर

इन्दौर, दिनांक 31 जनवरी, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-72 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013/298.—यह कि शुभलाभ गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, इन्दौर, पंजीयन क्रमांक डी.आर./आई.डी.आर./807, दिनांक 29-05-2001 को संस्था द्वारा उसके अकार्यशील होने से पंजीयन निरस्त किये जाने के आवेदन-पत्र में दिये जाने पर श्री एम. एम. श्रीवास्तव, उप-अंकेक्षक से संस्था के मूल दस्तावेजों का परीक्षण कराया गया। परीक्षण प्रतिवेदन अनुसार संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित बताया गया। जिससे मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत क्रमांक/परिसमापन/2012/4460, दिनांक 02-11-2012 से परिसमापन आदेश जारी किया गया था एवं धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री के. एल. कोरी, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक बनाया गया था।

परिसमापक श्री के. एल. कोरी द्वारा समिति के परिसमापन की कार्यवाहियां संपन्न की जाने के पश्चात् उनके द्वारा अंतिम प्रतिवेदन निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत किया गया है। जिसके साथ निरंक स्थिति विवरण-पत्रक प्रस्तुत कर संस्था के पंजीयन निरस्त करने की अनुशंसा की गयी है। उक्त

अंतिम प्रतिवेदन में संलग्न संस्था के निरंक स्थिति विवरण का अंकेक्षण सहायक पंजीयक (ऑडिट) इन्दौर के माध्यम से कराया गया। उनके द्वारा निरंक स्थिति विवरण की अंकेक्षण टीप निर्गमित की गयी है। जिससे यह स्पष्ट है कि संस्था की समस्त लेनदारियों/देनदारियों का निराकरण हो चुका है।

परिसमापक की उक्त कार्यवाही एवं पंजीयन निरस्ती की अनुशंसा से मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि शुभलाभ गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, इंदौर, पंजीयन क्रमांक डी.आर./आई.डी.आर./807, दिनांक 29-05-2001 का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, जगदीश कनोज, उप-आयुक्त, सहकारिता, जिला इन्दौर मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-72 (2) के अन्तर्गत शुभलाभ गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, इंदौर, पंजीयन क्रमांक डी.आर./आई.डी.आर./807, दिनांक 29-05-2001 का पंजीयन निरस्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 31 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(207-B)

इन्दौर, दिनांक 31 जनवरी, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-72 (2) के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013/297.—यह कि आशीष गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, इंदौर, पंजीयन क्रमांक डी.आर./आई.डी.आर./480, दिनांक 04-12-1987 को संस्था द्वारा उसके अकार्यशील होने से पंजीयन निरस्त किये जाने के आवेदन-पत्र दिये जाने, पर मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत क्रमांक/परिसमापन/2004/2839, दिनांक 14 जुलाई, 2004 से परिसमापन आदेश जारी किया गया था एवं धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री एम. एम. श्रीवास्तव, उप-अंकेक्षक को परिसमापक बनाया गया था।

परिसमापक श्री एम. एम. श्रीवास्तव द्वारा समिति के परिसमापन की कार्यवाहियां संपन्न की जाने के पश्चात् उनके द्वारा अंतिम प्रतिवेदन निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत किया गया है। जिसके साथ निरंक स्थिति विवरण-पत्रक प्रस्तुत कर संस्था के पंजीयन निरस्त करने की अनुशंसा की गयी है। उक्त अंतिम प्रतिवेदन में संलग्न संस्था के निरंक स्थिति विवरण का अंकेक्षण सहायक पंजीयक (ऑडिट) इन्दौर के माध्यम से कराया गया। उनके द्वारा निरंक स्थिति की अंकेक्षण टीप निर्गमित की गयी है। जिससे यह स्पष्ट है कि संस्था की समस्त लेनदारियों/देनदारियों का निराकरण हो चुका है।

परिसमापक की उक्त कार्यवाही एवं पंजीयन निरस्ती की अनुशंसा से मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि आशीष गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, इंदौर, पंजीयन क्रमांक डी.आर./आई.डी.आर./480, दिनांक 04-12-1987 का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, जगदीश कनोज, उप-आयुक्त, सहकारिता, जिला इन्दौर मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-पंद्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-72 (2) के अन्तर्गत आशीष गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, इंदौर, पंजीयन क्रमांक डी.आर./आई.डी.आर./480, दिनांक 04-12-1987 का पंजीयन निरस्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 31 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(207-C)

जगदीश कनोज,

उप-आयुक्त (सहकारिता)।

कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला गुना

गुना, दिनांक 19 फरवरी, 2014

क्र./विधि/14/205.— मछुआ सहकारी संस्था मर्यादित, बमौरी, जिसका पंजीयन क्रमांक 997, दिनांक 12 दिसम्बर, 2003 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्रमांक/विधि/13/613, दिनांक 30 मई, 2013 दिया गया था। सूचना-पत्र में वर्णित आरोपों का उत्तर पत्र प्राप्ति के 30 दिवस के भीतर चाहा गया था। निर्धारित समयावधि पश्चात् कोई भी पक्ष समर्थन संस्था द्वारा नहीं किया गया है। जिससे यह सिद्ध होता है कि —

1. आपकी संस्था विगत वर्षों से निष्क्रिय होकर अकार्यशील है।
2. आपकी संस्था साधारणतः सदस्यों के हित को संप्रवर्तित करने के लिए कार्य नहीं कर रही है।

3. संस्था संचालक मण्डल के निर्वाचन कराये जाने में असफल रही है.
4. संस्था द्वारा पंजीकृत उद्देश्यों के अनुरूप कार्य एवं प्रगति नहीं की गई है. इस प्रकार आपकी सोसायटी ने इस अधिनियम, नियमों एवं उपविधियों के अधीन पंजीकृत उद्देश्यों के अनुरूप कार्य न कर रजिस्ट्रीकरण एवं प्रबंध के बारे में उल्लेखित शर्तों का भी उल्लंघन कर उनका अनुपालन करना बंद कर दिया है.

उक्त आधार पर मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि आपकी संस्था के भविष्य में कार्यरत रहने की संभावना नहीं है एवं इस संस्था को परिसमापन में लाने के भी उपरोक्तानुसार पर्याप्त आधार उपलब्ध हैं.

अतः मैं, सी. पी. सिंह भदौरिया, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, गुना, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग के आदेश क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1 सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के अन्तर्गत प्रदत्त पंजीयक के अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत उक्त संस्था को परिसमापन में लाता हूँ तथा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री आर. सी. जाटव, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ तथा इन्हें आदेश देता हूँ कि वे इस आदेश प्राप्ति दिनांक से 03 माह की समयावधि में संस्था की आस्तियों/दायित्वों का निराकरण कर पंजीयन निरस्ती हेतु परिसमापक की हैसियत से संस्था का अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करें.

यह आदेश आज दिनांक 17 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(208)

गुना, दिनांक 19 फरवरी, 2014

क्र./विधि/14/206.— दुरध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, जखौदा, जिसका पंजीयन क्रमांक 975, दिनांक 17 मार्च, 2013 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्रमांक/विधि/13/600, दिनांक 30 मई, 2013 दिया गया था. सूचना-पत्र में वर्णित आरोपों का उत्तर पत्र प्राप्ति के 30 दिवस के भीतर चाहा गया था. निर्धारित समयावधि पश्चात् कोई भी पक्ष समर्थन संस्था द्वारा नहीं किया गया है. जिससे यह सिद्ध होता है कि —

1. आपकी संस्था विगत वर्षों से निष्क्रिय होकर अकार्यशील है.
2. आपकी संस्था साधारणतः सदस्यों के हित को संप्रवर्तित करने के लिए कार्य नहीं कर रही है.
3. संस्था संचालक मण्डल के निर्वाचन कराये जाने में असफल रही है.
4. संस्था द्वारा पंजीकृत उद्देश्यों के अनुरूप कार्य एवं प्रगति नहीं की गई है. इस प्रकार आपकी सोसायटी ने इस अधिनियम, नियमों एवं उपविधियों के अधीन पंजीकृत उद्देश्यों के अनुरूप कार्य न कर रजिस्ट्रीकरण एवं प्रबंध के बारे में उल्लेखित शर्तों का भी उल्लंघन कर उनका अनुपालन करना बंद कर दिया है.

उक्त आधार पर मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि आपकी संस्था के भविष्य में कार्यरत रहने की संभावना नहीं है एवं इस संस्था को परिसमापन में लाने के भी उपरोक्तानुसार पर्याप्त आधार उपलब्ध हैं.

अतः मैं, सी. पी. सिंह भदौरिया, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, गुना, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग के आदेश क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1 सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के अन्तर्गत प्रदत्त पंजीयक के अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत उक्त संस्था को परिसमापन में लाता हूँ तथा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री आर. सी. जाटव, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ तथा इन्हें आदेश देता हूँ कि वे इस आदेश प्राप्ति दिनांक से 03 माह की समयावधि में संस्था की आस्तियों/दायित्वों का निराकरण कर पंजीयन निरस्ती हेतु परिसमापक की हैसियत से संस्था का अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करें.

यह आदेश आज दिनांक 17 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(208-A)

गुना, दिनांक 19 फरवरी, 2014

क्र./विधि/14/207.— शक्तिपुंज महिला बहुउद्देशीय सहकारी संस्था मर्यादित, स्व्यावदा, जिसका पंजीयन क्रमांक 1038, दिनांक 06 अक्टूबर, 2004 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्रमांक/विधि/13/596, दिनांक 30 मई, 2013 दिया गया था. सूचना-पत्र में वर्णित आरोपों का उत्तर पत्र प्राप्ति के 30 दिवस के भीतर चाहा गया था.

निर्धारित समयावधि पश्चात् कोई भी पक्ष समर्थन संस्था द्वारा नहीं किया गया है। जिससे यह सिद्ध होता है कि —

1. आपकी संस्था विगत वर्षों से निष्क्रिय होकर अकार्यशील है।
2. आपकी संस्था साधारणतः सदस्यों के हित को संप्रवर्तित करने के लिए कार्य नहीं कर रही है।
3. संस्था संचालक मण्डल के निर्वाचन कराये जाने में असफल रही है।
4. संस्था द्वारा पंजीकृत उद्देश्यों के अनुरूप कार्य एवं प्रगति नहीं की गई है। इस प्रकार आपकी सोसायटी ने इस अधिनियम, नियमों एवं उपविधियों के अधीन पंजीकृत उद्देश्यों के अनुरूप कार्य न कर रजिस्ट्रीकरण एवं प्रबंध के बारे में उल्लेखित शर्तों का भी उल्लंघन कर उनका अनुपालन करना बंद कर दिया है।

उक्त आधार पर मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि आपकी संस्था के भविष्य में कार्यरत रहने की संभावना नहीं है एवं इस संस्था को परिसमापन में लाने के भी उपरोक्तानुसार पर्याप्त आधार उपलब्ध हैं।

अतः मैं, सी. पी. सिंह भदौरिया, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, गुना, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग के आदेश क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1 सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के अन्तर्गत प्रदत्त पंजीयक के अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत उक्त संस्था को परिसमापन में लाता हूँ तथा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री आर. सी. जाटव, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ तथा इन्हें आदेश देता हूँ कि वे इस आदेश प्राप्ति दिनांक से 03 माह की समयावधि में संस्था की आस्तियों/दायित्वों का निराकरण कर पंजीयन निरस्ती हेतु परिसमापक की हैसियत से संस्था का अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 17 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(208-B)

गुना, दिनांक 19 फरवरी, 2014

क्र./विधि/14/2008.— मल्लुआ सहकारी संस्था मर्यादित, उकावद, जिसका पंजीयन क्रमांक 1136, दिनांक 06 सितम्बर, 2008 है, को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत कारण बताओ सूचना-पत्र कार्यालयीन पत्र क्रमांक/विधि/13/591, दिनांक 30 मई, 2013 दिया गया था। सूचना-पत्र में वर्णित आरोपों का उत्तर पत्र प्राप्ति के 30 दिवस के भीतर चाहा गया था। निर्धारित समयावधि पश्चात् कोई भी पक्ष समर्थन संस्था द्वारा नहीं किया गया है। जिससे यह सिद्ध होता है कि —

1. आपकी संस्था विगत वर्षों से निष्क्रिय होकर अकार्यशील है।
2. आपकी संस्था साधारणतः सदस्यों के हित को संप्रवर्तित करने के लिए कार्य नहीं कर रही है।
3. संस्था संचालक मण्डल के निर्वाचन कराये जाने में असफल रही है।
4. संस्था द्वारा पंजीकृत उद्देश्यों के अनुरूप कार्य एवं प्रगति नहीं की गई है। इस प्रकार आपकी सोसायटी ने इस अधिनियम, नियमों एवं उपविधियों के अधीन पंजीकृत उद्देश्यों के अनुरूप कार्य न कर रजिस्ट्रीकरण एवं प्रबंध के बारे में उल्लेखित शर्तों का भी उल्लंघन कर उनका अनुपालन करना बंद कर दिया है।

उक्त आधार पर मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि आपकी संस्था के भविष्य में कार्यरत रहने की संभावना नहीं है एवं इस संस्था को परिसमापन में लाने के भी उपरोक्तानुसार पर्याप्त आधार उपलब्ध हैं।

अतः मैं, सी. पी. सिंह भदौरिया, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, गुना, मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग के आदेश क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1 सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के अन्तर्गत प्रदत्त पंजीयक के अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत उक्त संस्था को परिसमापन में लाता हूँ तथा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) के अन्तर्गत श्री जी. के. वास्त्री, सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त करता हूँ तथा इन्हें आदेश देता हूँ कि वे इस आदेश प्राप्ति दिनांक से 03 माह की समयावधि में संस्था की आस्तियों/दायित्वों का निराकरण कर पंजीयन निरस्ती हेतु परिसमापक की हैसियत से संस्था का अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

यह आदेश आज दिनांक 17 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

सी. पी. सिंह भदौरिया,
उप पंजीयक.

(208-C)

कार्यालय संयुक्त पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, चंबल संभाग, मुरैना

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/274.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, महराकी, पंजीयन क्रमांक 888, दिनांक 16 मई, 1989 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, महराकी के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/275.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, विण्डवा, पंजीयन क्रमांक 1260, दिनांक 20 जुलाई, 2004 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, विण्डवा के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-A)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/276.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, अघनपुर, पंजीयन क्रमांक 625, दिनांक 30 मई, 1986

विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, अघनपुर के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-B)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/277.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, धर्मगढ़, पंजीयन क्रमांक 624, दिनांक 30 मई, 1986 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, धर्मगढ़ के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-C)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/278.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, कुथियाना, पंजीयन क्रमांक 831, दिनांक 27 जनवरी, 1989 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, कुथियाना के माध्यम

से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-D)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/279.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, ग्यासीपुरा, पंजीयन क्रमांक 805, दिनांक 30 नवम्बर, 1988 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, ग्यासीपुरा के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-E)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/280.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, कसमड़ा, पंजीयन क्रमांक 623, दिनांक 30 मई, 1986 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, कसमड़ा के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-F)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/281.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, अझेडा, पंजीयन क्रमांक 462, दिनांक 12 दिसम्बर, 1980 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, अझेडा के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-G)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/282.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, पाप का पुरा, पंजीयन क्रमांक 452, दिनांक 25 अक्टूबर, 1980 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, पाप का पुरा के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-H)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/283.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, गोढ़, पंजीयन क्रमांक 450, दिनांक 25 अक्टूबर, 1980 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण

अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, गोढ़ के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-I)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/284.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, रानपुर, पंजीयन क्रमांक 499, दिनांक 25 अक्टूबर, 1980 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, रानपुर के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-J)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/285.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, साहूपुरा, पंजीयन क्रमांक 1271, दिनांक 13 अगस्त, 2004 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, साहूपुरा के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-K)

मुर्ना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/286.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुर्ना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, लगडिया, पंजीयन क्रमांक 1184, दिनांक 31 जनवरी, 2002 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, लगडिया के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-L)

मुर्ना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/287.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुर्ना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, सिरमोर का पुरा, पंजीयन क्रमांक 477, दिनांक 17 जनवरी, 1981 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, सिरमोर का पुरा के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-M)

मुर्ना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/288.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुर्ना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, कचनोधा, पंजीयन क्रमांक 466, दिनांक 12 दिसम्बर, 1980 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, कचनोधा के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-N)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/289.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, अरुपुरा, पंजीयन क्रमांक 1312, दिनांक 15 जून, 2005 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, अरुपुरा के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-O)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/290.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, उरहेरा, पंजीयन क्रमांक 919, दिनांक 07 नवम्बर, 1989 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, उरहेरा के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-P)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/291.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, दौनारी, पंजीयन क्रमांक 967, दिनांक 27 अक्टूबर, 1983 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, दौनारी के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-Q)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/292.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, चचिहा, पंजीयन क्रमांक 911, दिनांक 07 नवम्बर, 1989 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, चचिहा के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-R)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/293.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, मोतीपुरा, पंजीयन क्रमांक 1199, दिनांक 17 फरवरी, 2003 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, मोतीपुरा के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-S)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/294.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, इटौरा, पंजीयन क्रमांक 900, दिनांक 07 नवम्बर, 1989 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, इटौरा के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-T)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/295.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, वूढवहरारा, पंजीयन क्रमांक 718, दिनांक 27 दिसम्बर, 1987 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, वूढवहरारा के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-U)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/296.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, महादेव का पुरा, पंजीयन क्रमांक 740, दिनांक 11 मार्च, 1988 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, महादेव का पुरा के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-V)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/297.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, आमपुरा, पंजीयन क्रमांक 1233, दिनांक 30 अप्रैल, 2004 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, आमपुरा के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-W)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/298.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, फाटिक का पुरा, पंजीयन क्रमांक 864, दिनांक 17 मार्च, 1989 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, फाटिक का पुरा, के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-X)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/299.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, चुरेला, पंजीयन क्रमांक 596, दिनांक 31 मार्च, 1986 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था तिलहन उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, चुरेला के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

(210-Y)

मुरैना, दिनांक 21 फरवरी, 2014

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटीज अधिनियम, 1960 की धारा-18 (क) के अन्तर्गत]

क्र./विधि/2013/273.—कार्यालय उप/सहायक पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, मुरैना से प्राप्त पत्र क्रमांक 482, दिनांक 09 अक्टूबर, 2013 से यह अवगत कराया है कि जिले में पंजीकृत संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, जल का नगरा, पंजीयन क्रमांक 627, दिनांक 30 मई, 1986 विगत 2-3 वर्षों से अपने उद्देश्यों के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। इस हेतु निर्धारित संचालक मण्डल की बैठक, आमसभा, अंकेक्षण जैसे महत्वपूर्ण उत्तरदायित्व के निष्पादन की चूक की जानकारी भी उपरोक्त पत्र में उल्लेखित है।

उपरोक्त सूचना के आधार पर मुझे यह प्रतीत होता है कि उपरोक्त दर्शित कार्य जिसके लिए संस्था गठित की गई है अपने उद्देश्यों की पूर्ति के अंतर्गत निर्धारित कार्य एवं कर्तव्यों के निर्वहन में सतत् चूक कर रही है। फलस्वरूप सदस्यों के हित में गठित की गई इस संस्था का पंजीकरण अनुसार दर्ज विवरण के अनुरूप कार्य नहीं कर रही है। अतएव संस्था को अध्यक्ष-संस्था दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, जल का नगरा के माध्यम से एवं समस्त सम्बन्धित सदस्यगणों को एतद्वारा यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर भेजा जाता है कि उनकी संस्था का पंजीकरण क्यों न निरस्त कर दिया जाए तथा इस सम्बन्ध में यदि वे अपना पक्ष रखना चाहते हैं तो दिनांक 13 मार्च, 2014 को अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष अपना पक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। अन्यथा यह मानकर कि वे इस नोटिस के सम्बन्ध में आपको कुछ नहीं कहना है, आगामी संस्था पंजीकरण निरस्ती की कार्यवाही सम्पादित की जावेगी।

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 21 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

अभय कुमार खरे,

संयुक्त पंजीयक.

(210-Z)

कार्यालय उपायुक्त, सहकारिता, जिला रतलाम

रतलाम, दिनांक 12 सितम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं नियम, 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत]

क्र./परि/2013/क्यू.—कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला रतलाम द्वारा निम्न आदेश क्रमांक एवं दिनांक के तहत परिसमापनाधीन सहकारी संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया है:—

क्र.	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	आदेश क्रमांक व दिनांक
1	2	3	4
1.	प्राथ. महालक्ष्मी साख सह. संस्था मर्या., रतलाम (मध्यप्रदेश)	06/13-03-2002	1134/24-08-2013

अतः मध्यप्रदेश सहकारी अधिनियम, 1960 के नियम 1962 के नियम-57 (सी) के अन्तर्गत उपरोक्त समस्त संस्था के क्रमशः लेनदारों/देनदारों को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि उनकी सम्बन्धित संस्था की कोई भी लेनदारी/देनदारी हो तो इस सूचना-पत्र के प्रकाशन से दो माह (60 दिवस) की अवधि में अपनी लेनदारी-देनदारी का दावा (क्लेम) मय-प्रमाण के मुझ अधोहस्ताक्षरकर्ता को कार्यालय उपायुक्त सहकारिता हाकिमबाड़ा, रतलाम में कार्यालयीन समय में व्यक्तिशः उपस्थित होकर प्रस्तुत करें. समयावधि के बाद कोई दावा स्वीकार करने योग्य नहीं होगा तथा परिसमापक द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जा सकेगी.

सूचना आज दिनांक 12 सितम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(212)

जे. सी. जोनवाल,
व. स. नि. एवं परिसमापक.

कार्यालय उपायुक्त, सहकारिता, जिला रतलाम

रतलाम, दिनांक 5 अप्रैल, 2013

कारण बताओ सूचना-पत्र

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के अन्तर्गत]

प्रति,

अध्यक्ष/प्रबंधक,

जय चम्बल मत्स्यपालन सहकारी समिति मर्या.,

ऊनी, जिला रतलाम (म.प्र.).

मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-58 के तहत की गई सम्परीक्षा में सोसायटी को अकार्यशील पाया जाकर डी-वर्ग में वर्गीकृत किया गया है.

सोसायटी के डी-वर्गीकरण से स्पष्ट है कि सोसायटी ने अपने उद्देश्यों के अनुरूप सदस्यों के लिए कार्य करना बन्द कर दिया है. अतः सोसायटी का परिसमापन कर दिया जाना आवश्यक प्रतीत होता है.

मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम 1960 की धारा-69 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए— जय चम्बल मत्स्यपालन सहकारी समिति मर्या., ऊनी, जिला रतलाम (म.प्र.) को धारा-69 की उप-धारा (3) के अन्तर्गत यह कारण बताओ सूचना-पत्र जारी कर युक्तियुक्त सुनवाई का अवसर प्रदान करता हूँ कि सोसायटी अकार्यशील हो जाने के कारण क्यों न सोसायटी का परिसमापन कर दिया जावे.

यदि सोसायटी इस कारण बताओ सूचना-पत्र के सम्बन्ध में अपना कोई अभ्यावेदन/प्रतिवेदन प्रस्तुत करना चाहे तो वे इस सूचना-पत्र के जारी होने के 15 दिवस के भीतर मुझे प्रेषित कर सकते हैं या समक्ष में उपस्थित होकर पक्ष समर्थन कर सकते हैं.

सूचना-पत्र में उल्लेखित कारण बताने के लिए युक्तियुक्त अवधि तक सोसायटी की ओर से कोई अभ्यावेदन या सुनवाई के लिए उपस्थित न होने की स्थिति में एक पक्षीय कार्यवाही की जाकर सोसायटी के परिसमापन का आदेश जारी कर दिया जावेगा.

यह कारण बताओ सूचना-पत्र आज दिनांक 05 अप्रैल, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है.

(213)

रतलाम, दिनांक 10 जुलाई, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013/1007.—परिसमापित जनता गृह निर्माण सहकारी सोसायटी मर्यादित, रतलाम (मध्यप्रदेश), पंजीयन क्रमांक 364, दिनांक 01 अप्रैल, 1985 के परिसमापक द्वारा सोसायटी की विशेष साधारण सभा दिनांक 15 जून, 2013 में पारित प्रस्ताव ठहराव का उल्लेख करते हुए लेख किया गया है कि सोसायटी के सदस्यों ने संस्था के विकास कार्यों एवं सदस्यों की समस्याओं का निराकरण किये जाने हेतु संस्था को पुनर्जीवित किये जाने की अनुशंसा की है। परिसमापक की अनुशंसा एवं सोसायटी के विशेष साधारण सभा में पारित ठहराव के अनुक्रम में मेरी राय में यह उपयुक्त प्रतीत होता है कि संस्था के विकास कार्यों एवं उनके गृह निर्माण से सम्बन्धित समस्याओं का निराकरण प्रजातांत्रिक स्वरूप से किया जाने हेतु संस्था का परिसमापन समाप्त किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार, सहकारी सोसायटी, मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए जनता गृह निर्माण सहकारी सोसायटी मर्यादित, रतलाम (मध्यप्रदेश), पंजीयन क्रमांक 364, दिनांक 01 अप्रैल, 1985 का परिसमापन समाप्त करते हुए संस्था को पुनर्जीवित किया जाता है एवं संस्था के कामकाज हेतु संस्था की विशेष साधारण सभा द्वारा नियुक्त निम्नानुसार कामकाज कमेटी को नामांकित करता हूँ :-

- | | |
|----------------------------|---------|
| 1. श्री विदुरजी भट्ट | अध्यक्ष |
| 2. श्री ललीत कोठारी | सदस्य |
| 3. श्री चन्द्रप्रकाश शर्मा | सदस्य |
| 4. श्री वर्धमान जैन | सदस्य |
| 5. श्रीमती सरस्वती देवी | सदस्य |
| 6. श्रीमती उषा जैन | सदस्य |
| 7. श्री सज्जनलाल मेहता | सदस्य |

उपर्युक्त नामांकित कमेटी आदेश जारी होने के चार माह के अन्दर निर्वाचन कराये जाने हेतु निर्वाचन का प्रस्ताव मध्यप्रदेश राज्य सहकारी निर्वाचन प्राधिकरण को प्रेषित किये जाने हेतु एक माह की समय सीमा में प्रस्तुत करेगी।

यह आदेश आज दिनांक 10 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(213-A)

रतलाम, दिनांक 25 जुलाई, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी समितियाँ अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1043.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परि./1003, दिनांक 15 जुलाई, 2008 के द्वारा तिलहन उत्पादक सहकारी सोसायटी मर्यादित, लुनेरा, जिला रतलाम, पंजीयन क्रमांक 526, दिनांक 06 नवम्बर, 1989 को परिसमापन में लाया जाकर श्री आर. के. वर्मा, स. नि. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था। सोसायटी के परिसमापक द्वारा सोसायटी की आस्तियों एवं दायित्वों का निपटारा करने के पश्चात् निरंक स्थिति विवरण पत्रक एवं अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा की गई है।

सोसायटी के परिसमापक द्वारा प्रस्तुत अन्तिम प्रतिवेदन एवं सोसायटी के रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा के आधार पर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए तिलहन उत्पादक सहकारी सोसायटी मर्यादित, लुनेरा, जिला रतलाम, पंजीयन क्रमांक 526, दिनांक 06 नवम्बर, 1989 का रजिस्ट्रीकरण रद्द करते हुए सोसायटी के निगमित निकाय अवस्था को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 25 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(213-B)

रतलाम, दिनांक 18 जुलाई, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी समितियाँ अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1047.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परि./1289, दिनांक 08 सितम्बर, 2008 के द्वारा श्री कृष्णा पशु पालन दुग्ध उत्पादन एवं प्रजनन सहकारी सोसायटी मर्यादित, रतलाम, पंजीयन क्रमांक 814, दिनांक 10 अक्टूबर, 2004 का परिसमापन किये जाने हेतु श्री एन. के. नान्देचा, स. नि. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था। सोसायटी के परिसमापक द्वारा सोसायटी की आस्तियों एवं दायित्वों का निपटारा करने के पश्चात् निरंक स्थिति विवरण पत्रक एवं अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा की गई है।

सोसायटी के परिसमापक द्वारा प्रस्तुत अन्तिम प्रतिवेदन एवं सोसायटी के रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा के आधार पर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री कृष्णा पशु पालन दुग्ध उत्पादन एवं प्रजनन सहकारी सोसायटी मर्यादित, रतलाम, पंजीयन क्रमांक 814, दिनांक 10 अक्टूबर, 2004 का रजिस्ट्रीकरण रद्द करते हुए सोसायटी के निगमित निकाय अवस्था को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 18 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(213-F)

रतलाम, दिनांक 18 जुलाई, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी समितियाँ अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1048.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परि./1285, दिनांक 02 सितम्बर, 1998 के द्वारा पोषण आहार महिला उद्योग सहकारी सोसायटी मर्यादित, रतलाम, पंजीयन क्रमांक 493, दिनांक 09 नवम्बर, 1999 का परिसमापन किये जाने हेतु श्री एन. के. नान्देचा, स. नि. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था। सोसायटी के परिसमापक द्वारा सोसायटी की आस्तियों एवं दायित्वों का निपटारा करने के पश्चात् निरंक स्थिति विवरण पत्रक एवं अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा की गई है।

सोसायटी के परिसमापक द्वारा प्रस्तुत अन्तिम प्रतिवेदन एवं सोसायटी के रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा के आधार पर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए पोषण आहार महिला उद्योग सहकारी सोसायटी मर्यादित, रतलाम, पंजीयन क्रमांक 493, दिनांक 09 नवम्बर, 1999 का रजिस्ट्रीकरण रद्द करते हुए सोसायटी के निगमित निकाय अवस्था को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 18 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(213-G)

रतलाम, दिनांक 18 जुलाई, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी समितियाँ अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1049.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परि./915, दिनांक 04 जुलाई, 2001 एवं तत्पश्चात् संशोधित आदेश के द्वारा तिलहन उत्पादक सहकारी सोसायटी मर्यादित, धोसवास, जिला रतलाम, पंजीयन क्रमांक 410, दिनांक 20 अक्टूबर, 1986 को परिसमापन में किये जाने हेतु श्री बी. एस. मसानिया, स. नि. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था। सोसायटी के परिसमापक द्वारा सोसायटी की आस्तियों एवं दायित्वों का निपटारा करने के पश्चात् निरंक स्थिति विवरण पत्रक एवं अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा की गई है।

सोसायटी के परिसमापक द्वारा प्रस्तुत अन्तिम प्रतिवेदन एवं सोसायटी के रजिस्ट्रीकरण रद्द करने की अनुशंसा के आधार पर सोसायटी का रजिस्ट्रीकरण रद्द किया जाना उचित प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी समितियाँ, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 एवं 72 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए तिलहन उत्पादक सहकारी सोसायटी मर्यादित, धोसवास, जिला रतलाम, पंजीयन क्रमांक 410, दिनांक 20 अक्टूबर, 1986 का रजिस्ट्रीकरण रद्द करते हुए सोसायटी के निगमित निकाय अवस्था को समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 18 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(213-H)

रतलाम, दिनांक 26 जुलाई, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 एवं 70 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1055.—भू-अभिलेख एवं राजस्व कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, जावरा, जिला रतलाम, मध्यप्रदेश को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के तहत कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/973, रतलाम, दिनांक 06 जुलाई, 2013 जारी कर संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु सोसायटी को अपना पक्ष समर्थन करने का अवसर प्रदान किया जाकर अन्तिम सुनवाई हेतु दिनांक 25 जुलाई, 2013 का समय नियत किया गया था। सोसायटी द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र के सम्बन्ध में नियत दिनांक तक न तो कोई प्रतिउत्तर प्रस्तुत किया गया है और ना ही पक्ष समर्थन किया गया है। अतः सोसायटी के विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए सोसायटी का परिसमापन किया जाकर परिसमापक नियुक्त किया जाना आवश्यक प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 एवं 70 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए भू-अभिलेख एवं राजस्व कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, जावरा, जिला रतलाम, मध्यप्रदेश को परिसमापन में लाया जाकर अधिनियम की धारा-70 के अन्तर्गत श्री आर. के. भट्ट, सहकारी निरीक्षक/सहकारिता विस्तार अधिकारी जावरा को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

परिसमापक अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार सोसायटी के आस्तियों एवं दायित्वों का निराकरण कर तीन माह की समयावधि में अन्तिम रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

यह आदेश आज दिनांक 26 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(213-I)

रतलाम, दिनांक 26 जुलाई, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 एवं 70 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1056.—स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया अवार्ड स्टॉफ (रामबाग) गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, रतलाम, मध्यप्रदेश को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के तहत कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/971, रतलाम, दिनांक 06 जुलाई, 2013 जारी कर संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु सोसायटी को अपना पक्ष समर्थन करने का अवसर प्रदान किया जाकर अन्तिम सुनवाई हेतु दिनांक 25 जुलाई, 2013 का समय नियत किया गया था। सोसायटी द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र के सम्बन्ध में नियत दिनांक तक न तो कोई प्रतिउत्तर प्रस्तुत किया गया है और ना ही पक्ष समर्थन किया गया है। अतः सोसायटी के विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए सोसायटी का परिसमापन किया जाकर परिसमापक नियुक्त किया जाना आवश्यक प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 एवं 70 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया अवार्ड स्टॉफ (रामबाग) गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, रतलाम, मध्यप्रदेश को परिसमापन में लाया जाकर अधिनियम की धारा-70 के अन्तर्गत श्री एन. के. अडानिया, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

परिसमापक अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार सोसायटी के आस्तियों एवं दायित्वों का निराकरण कर तीन माह की समयावधि में अन्तिम रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

यह आदेश आज दिनांक 26 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(213-J)

रतलाम, दिनांक 26 जुलाई, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 एवं 70 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1057.—कालीदास गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, रतलाम, मध्यप्रदेश को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के तहत कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/970, रतलाम, दिनांक 06 जुलाई, 2013 जारी कर संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु सोसायटी को अपना पक्ष समर्थन करने का अवसर प्रदान किया जाकर अन्तिम सुनवाई हेतु दिनांक 25 जुलाई, 2013 का समय नियत किया गया था। सोसायटी द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र के सम्बन्ध में नियत दिनांक तक न तो कोई प्रतिउत्तर प्रस्तुत किया गया है और

ना ही पक्ष समर्थन किया गया है। अतः सोसायटी के विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए सोसायटी का परिसमापन किया जाकर परिसमापक नियुक्त किया जाना आवश्यक प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 एवं 70 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए कालीदास गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित, रतलाम, मध्यप्रदेश को परिसमापन में लाया जाकर अधिनियम की धारा-70 के अन्तर्गत श्री एन. के. अडानिया, उप-अंकेक्षक को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

परिसमापक अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार सोसायटी के आस्तियों एवं दायित्वों का निराकरण कर तीन माह की समयावधि में अन्तिम रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

यह आदेश आज दिनांक 26 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(213-K)

रतलाम, दिनांक 26 जुलाई, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 एवं 70 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1058.—जलदेवी मत्स्य उद्योग सहकारी संस्था मर्यादित, बिरमावल, जिला रतलाम, मध्यप्रदेश को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के तहत कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/974, रतलाम, दिनांक 06 जुलाई, 2013 जारी कर संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु सोसायटी को अपना पक्ष समर्थन करने का अवसर प्रदान किया जाकर अन्तिम सुनवाई हेतु दिनांक 25 जुलाई, 2013 का समय नियत किया गया था। सोसायटी द्वारा कारण बताओ सूचना-पत्र के सम्बन्ध में नियत दिनांक तक न तो कोई प्रतिउत्तर प्रस्तुत किया गया है और ना ही पक्ष समर्थन किया गया है। अतः सोसायटी के विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए सोसायटी का परिसमापन किया जाकर परिसमापक नियुक्त किया जाना आवश्यक प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 एवं 70 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए जलदेवी मत्स्य उद्योग सहकारी संस्था मर्यादित, बिरमावल, जिला रतलाम, मध्यप्रदेश को परिसमापन में लाया जाकर अधिनियम की धारा-70 के अन्तर्गत श्री व्ही. के. वर्मा, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

परिसमापक अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार सोसायटी के आस्तियों एवं दायित्वों का निराकरण कर तीन माह की समयावधि में अन्तिम रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

यह आदेश आज दिनांक 26 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(213-L)

रतलाम, दिनांक 26 जुलाई, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 एवं 70 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1059.—वाल्मिकी आदिवासी मत्स्य उद्योग सहकारी संस्था मर्यादित, विरयाखेडी, जिला रतलाम, मध्यप्रदेश को सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के तहत कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/558, रतलाम, दिनांक 05 अप्रैल, 2013 जारी कर संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु सोसायटी को अपना पक्ष समर्थन करने का अवसर प्रदान किया गया था।

सोसायटी द्वारा दिनांक 22 अप्रैल, 2013 को उत्तर प्रस्तुत किया गया, जिसमें परिसमापन में नहीं लाये जाने का निवेदन किया गया। परन्तु सोसायटी द्वारा अपने व्यवसाय के सम्बन्ध में कोई जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई। सोसायटी को उनके आवेदन दिनांक 22 अप्रैल, 2013 के सम्बन्ध में सुने जाने हेतु पत्र क्रमांक 896, दिनांक 13 जून, 2013 जारी कर सुनवाई का अवसर प्रदान किया जाकर अन्तिम सुनवाई हेतु दिनांक 05 जुलाई, 2013 का समय नियत किया गया था। सोसायटी द्वारा नियत दिनांक तक न तो कोई प्रतिउत्तर प्रस्तुत किया गया है और ना ही पक्ष समर्थन किया गया है। अतः सोसायटी के विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए सोसायटी का परिसमापन किया जाकर परिसमापक नियुक्त किया जाना आवश्यक प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960

की धारा-69 एवं 70 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए वाल्मिकी आदिवासी मत्स्य उद्योग सहकारी संस्था मर्यादित, विरयाखेडी, जिला रतलाम, मध्यप्रदेश को परिसमापन में लाया जाकर अधिनियम की धारा-70 के अन्तर्गत श्री व्ही. के. वर्मा, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

परिसमापक अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार सोसायटी के आस्तियों एवं दायित्वों का निराकरण कर तीन माह की समयावधि में अन्तिम रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

यह आदेश आज दिनांक 26 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(213-M)

रतलाम, दिनांक 26 जुलाई, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 एवं 70 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1060.—दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, निपानियालीला, तहसील आलोट, जिला रतलाम, मध्यप्रदेश को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के तहत कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/506, रतलाम, दिनांक 04 अप्रैल, 2013 जारी कर संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु सोसायटी को अपना पक्ष समर्थन करने का अवसर प्रदान किया गया था।

सोसायटी द्वारा दिनांक 24 अप्रैल, 2013 को उत्तर प्रस्तुत किया गया, जिसमें परिसमापन में नहीं लाये जाने का निवेदन किया गया। परन्तु सोसायटी द्वारा अपने व्यवसाय के सम्बन्ध में कोई जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई। सोसायटी को उनके आवेदन दिनांक 24 अप्रैल, 2013 के सम्बन्ध में सुने जाने हेतु पत्र क्रमांक 893, दिनांक 13 जून, 2013 जारी कर सुनवाई का अवसर प्रदान किया जाकर अन्तिम सुनवाई हेतु दिनांक 05 जुलाई, 2013 का समय नियत किया गया था। सोसायटी द्वारा नियत दिनांक तक न तो कोई प्रतिउत्तर प्रस्तुत किया गया है और ना ही पक्ष समर्थन किया गया है। अतः सोसायटी के विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए सोसायटी का परिसमापन किया जाकर परिसमापक नियुक्त किया जाना आवश्यक प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 एवं 70 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, निपानियालीला, तहसील आलोट, जिला रतलाम, मध्यप्रदेश को परिसमापन में लाया जाकर अधिनियम की धारा-70 के अन्तर्गत श्री आर. एस. पवार, सहकारी निरीक्षक/सहकारिता विस्तार अधिकारी आलोट को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

परिसमापक अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार सोसायटी के आस्तियों एवं दायित्वों का निराकरण कर तीन माह की समयावधि में अन्तिम रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

यह आदेश आज दिनांक 26 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(213-N)

रतलाम, दिनांक 26 जुलाई, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 एवं 70 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1061.—दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, पंथ पिपलोदा, तहसील आलोट, जिला रतलाम, मध्यप्रदेश को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के तहत कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/497, रतलाम, दिनांक 04 अप्रैल, 2013 जारी कर संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु सोसायटी को अपना पक्ष समर्थन करने का अवसर प्रदान किया गया था।

सोसायटी द्वारा दिनांक 24 अप्रैल, 2013 को उत्तर प्रस्तुत किया गया, जिसमें परिसमापन में नहीं लाये जाने का निवेदन किया गया। परन्तु सोसायटी द्वारा अपने व्यवसाय के सम्बन्ध में कोई जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई। सोसायटी को उनके आवेदन दिनांक 24 अप्रैल, 2013 के सम्बन्ध में सुने जाने हेतु पत्र क्रमांक 894, दिनांक 13 जून, 2013 जारी कर सुनवाई का अवसर प्रदान किया जाकर अन्तिम सुनवाई हेतु दिनांक 05 जुलाई, 2013 का समय नियत किया गया था। सोसायटी द्वारा नियत दिनांक तक न तो कोई प्रतिउत्तर प्रस्तुत किया गया है और ना ही पक्ष समर्थन किया गया है। अतः सोसायटी के विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए सोसायटी का परिसमापन किया जाकर परिसमापक नियुक्त किया जाना आवश्यक प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960

की धारा-69 एवं 70 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, पंथ पिपलोदा, तहसील आलोट, जिला रतलाम, मध्यप्रदेश को परिसमापन में लाया जाकर अधिनियम की धारा-70 के अन्तर्गत श्री आर. एस. पवार, सहकारी निरीक्षक/सहकारिता विस्तार अधिकारी आलोट को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

परिसमापक अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार सोसायटी के आस्तियों एवं दायित्वों का निराकरण कर तीन माह की समयावधि में अन्तिम रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

यह आदेश आज दिनांक 26 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

(213-O)

रतलाम, दिनांक 26 जुलाई, 2013

(मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 एवं 70 के अन्तर्गत)

क्र./परि./2013/1062.—दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, नेगडदा, तहसील व जिला रतलाम, मध्यप्रदेश को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (3) के तहत कारण बताओ सूचना-पत्र क्रमांक/परिसमापन/2013/524, रतलाम, दिनांक 04 अप्रैल, 2013 जारी कर संस्था को परिसमापन में लाये जाने हेतु सोसायटी को अपना पक्ष समर्थन करने का अवसर प्रदान किया गया था।

सोसायटी के सम्बन्ध में सहायक महाप्रबंधक दुग्ध संयंत्र रतलाम द्वारा पत्र दिनांक 05 अप्रैल, 2013 को उत्तर प्रस्तुत किया गया, जिसमें परिसमापन में नहीं लाये जाने का निवेदन किया गया। परन्तु सोसायटी के व्यवसाय के सम्बन्ध में कोई जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई। दुग्ध संघ संयंत्र के पत्र पर सोसायटी सुने जाने हेतु पत्र क्रमांक/895, दिनांक 13 जून, 2013 जारी कर सुनवाई का अवसर प्रदान किया जाकर अन्तिम सुनवाई हेतु दिनांक 05 जुलाई, 2013 का समय नियत किया गया था। सोसायटी द्वारा नियत दिनांक तक न तो कोई प्रतिउत्तर प्रस्तुत किया गया है और ना ही पक्ष समर्थन किया गया है। अतः सोसायटी के विरुद्ध एक पक्षीय कार्यवाही करते हुए सोसायटी का परिसमापन किया जाकर परिसमापक नियुक्त किया जाना आवश्यक प्रतीत होता है।

अतएव मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी मध्यप्रदेश, भोपाल की उप-रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी, रतलाम को प्रदत्त मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 एवं 70 की शक्तियों का प्रयोग करते हुए दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, नेगडदा, तहसील व जिला रतलाम, मध्यप्रदेश को परिसमापन में लाया जाकर अधिनियम की धारा-70 के अन्तर्गत श्री आर.सी. बामनिया, सहकारी निरीक्षक/सहकारिता विस्तार अधिकारी, रतलाम को परिसमापक नियुक्त किया जाता है।

परिसमापक अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार सोसायटी के आस्तियों एवं दायित्वों का निराकरण कर तीन माह की समयावधि में अन्तिम रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

यह आदेश आज दिनांक 26 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से जारी किया गया है।

पी. आर. कावड़कर,
उप रजिस्ट्रार.

(213-P)

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी, सहकारी संस्थाएं, बैतूल

बैतूल, दिनांक 14 नवम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (1) सी/ग के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013/979—कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बैतूल, जिला बैतूल के द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत सहकारी संस्था को परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 (1) के अन्तर्गत कार्यालयीन आदेश क्रमांक/परिसमापन/12/1240, दिनांक 04 अक्टूबर, 2012 के द्वारा मुझे निम्नानुसार सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया गया है:—

क्र.	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापन आदेश क्रमांक व दिनांक
1	2	3	4
1.	नूर सभा प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., आर्यवाड, बैतूल	1576/06-02-2008	1240/04-10-2012
2.	केदारनाथ बुनकर सहकारी संस्था मर्या., डंगारिया	160/23-07-1990	774/31-08-2013
3.	बालाजी हाथकरघा बुनकर सहकारी संस्था मर्या., मालेगांव	1487/06-09-2004	774/31-08-2013

1	2	3	4
4. सतपुड़ा आवास एवं गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., बैतूल		1039/30-12-1982	773/31-08-2013
5. पं. भवानी प्रसाद मिश्र पत्रकार गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्या., बैतूल		1324/04-08-1994	773/31-08-2013
6. जय कृषि बीज उत्पादक एवं विपणन सहकारी संस्था मर्या., महदगांव		1510/26-07-2005	773/31-08-2013
7. पशु चिकित्सा विभाग साख सहकारी संस्था मर्या., बैतूल		1408/23-09-1999	773/31-08-2013
8. दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., गोराखार		1564/10-09-2007	773/31-08-2013

उपरोक्त सहकारी संस्थाओं से मुझे किसी प्रकार का कोई रिकार्ड अथवा दस्तावेज तथा डेड स्टॉक आदि का चार्ज प्राप्त नहीं हुआ है।

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) को उपयोग में लाते हुए मैं, राजेश वडयालकर, परिसमापक सहकारी संस्थाएं, बैतूल मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम 57 (1) सी/ग के अन्तर्गत यह सूचित करता हूँ कि उक्त संस्थाओं से किसी दावेदार या सदस्यों की कोई लेनदारी हो या दावा प्रस्तुत करना हो तो इस सूचना के जारी होने के दो माह के अन्दर मय दस्तावेजों/प्रमाणकों के कार्यालयीन समय में मेरे समक्ष उपस्थित हो कर प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि की समाप्ति के पश्चात् दावों (क्लेम) पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। जिसके लिए सम्बन्धित सदस्य/दावेदार ही व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी रहेंगे। संस्था के कोई भी अभिलेख या सम्पत्ति किसी भी व्यक्ति के पास उपलब्ध हो तो वह भी 15 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में जमा कर देवें अन्यथा ऐसे व्यक्ति वैधानिक कार्यवाही के लिए उत्तरदायी होंगे।

राजेश वडयालकर,
परिसमापक.

(214)

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी, सहकारी संस्थाएं, बैतूल

बैतूल, दिनांक 14 नवम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (1) सी/ग के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013/980—कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बैतूल, जिला बैतूल के द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत सहकारी संस्था को परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 (1) के अन्तर्गत कार्यालयीन आदेश क्रमांक/परिसमापन/13/770, दिनांक 31 अगस्त, 2013 के द्वारा मुझे निम्नानुसार सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया गया है:—

क्र.	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापन आदेश क्रमांक व दिनांक
1	2	3	4
1. दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या. खल्ला		1087/29-03-1984	772/31-08-2013
2. आदर्श हस्तकला महिला गृह उद्योग सहकारी संस्था मर्या., कान्हा खा.		1540/31-10-2006	772/31-08-2013
3. दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., लिहदा		1523/20-12-2005	772/31-08-2013

उपरोक्त सहकारी संस्थाओं से मुझे किसी प्रकार का कोई रिकार्ड अथवा दस्तावेज तथा डेड स्टॉक आदि का चार्ज प्राप्त नहीं हुआ है।

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) को उपयोग में लाते हुए मैं, एस. के. बर्थे, परिसमापक सहकारी संस्थाएं, बैतूल मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम 1962 के नियम, 57 (1) सी/ग के अन्तर्गत यह सूचित करता हूँ कि उक्त संस्था से किसी दावेदार या सदस्यों की कोई लेनदारी हो या दावा प्रस्तुत करना हो तो इस सूचना के जारी होने के दो माह के अन्दर मय दस्तावेजों/प्रमाणकों के कार्यालयीन समय में मेरे समक्ष उपस्थित हो कर प्रस्तुत करें। निर्धारित अवधि की समाप्ति के पश्चात् दावों (क्लेम) पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। जिसके लिए सम्बन्धित सदस्य/दावेदार ही व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी रहेंगे। संस्था के कोई भी अभिलेख या सम्पत्ति किसी भी व्यक्ति के पास उपलब्ध हो तो वह भी 15 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में जमा कर देवें अन्यथा ऐसे व्यक्ति वैधानिक कार्यवाही के लिए उत्तरदायी होंगे।

एस. के. बर्थे,
परिसमापक.

(215)

कार्यालय परिसमापक एवं सहकारिता विस्तार अधिकारी, सहकारी संस्थाएं, बैतूल

बैतूल, दिनांक 14 नवम्बर, 2013

[मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम-57 (1) सी/ग के अन्तर्गत]

क्र./परि./2013/981—कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, बैतूल, जिला बैतूल के द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960

की धारा-69 के अन्तर्गत सहकारी संस्था को परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 (1) के अन्तर्गत कार्यालयीन आदेश क्रमांक/परिसमापन/13/771, दिनांक 31 अगस्त, 2013 के द्वारा मुझे निम्नानुसार सहकारी संस्थाओं का परिसमापक नियुक्त किया गया है:—

क्र.	संस्था का नाम	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापन आदेश क्रमांक व दिनांक
1	2	3	4
1.	हरिजन मत्स्योद्योग सहकारी संस्था मर्या., खामला	1252/27-07-1991	771/31-08-2013
2.	पूर्णा महिला गृह उद्योग सहकारी संस्था मर्या., पोहर	1500/15-02-2005	771/31-08-2013
3.	प्रजापति कुभंकार औद्योगिक सहकारी संस्था मर्या., झल्लार	657/10-11-1997	771/31-08-2013
4.	श्री साईं वनोपज विकास उद्योग सहकारी संस्था मर्या. कोथलकुड	1427/02-03-2003	771/31-08-2013

उपरोक्त सहकारी संस्थाओं से मुझे किसी प्रकार का कोई रिकार्ड अथवा दस्तावेज तथा डेड स्टॉक आदि का चार्ज प्राप्त नहीं हुआ है.

अतः मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-70 (1) को उपयोग में लाते हुए मैं, युवराज ठाकरे, परिसमापक सहकारी संस्थाएं, बैतूल मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी नियम, 1962 के नियम 57 (1) सी/ग के अन्तर्गत यह सूचित करता हूँ कि उक्त संस्था से किसी दावेदार या सदस्यों की कोई लेनदारी हो या दावा प्रस्तुत करना हो तो इस सूचना के जारी होने के दो माह के अन्दर मय दस्तावेजों/प्रमाणकों के कार्यालयीन समय में मेरे समक्ष उपस्थित हो कर प्रस्तुत करें. निर्धारित अवधि की समाप्ति के पश्चात् दावों (क्लेम) पर कोई विचार नहीं किया जावेगा. जिसके लिए सम्बन्धित सदस्य/दावेदार ही व्यक्तिगत रूप से उत्तरदायी रहेंगे. संस्था के कोई भी अभिलेख या सम्पत्ति किसी भी व्यक्ति के पास उपलब्ध हो तो वह भी 15 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में जमा कर देवें अन्यथा ऐसे व्यक्ति वैधानिक कार्यवाही के लिए उत्तरदायी होंगे.

युवराज ठाकरे,
परिसमापक.

(216)

कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन

उज्जैन, दिनांक 18 फरवरी, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

क्र./परि./2014/433—कार्यालयीन आदेश क्रमांक 519, दिनांक 01 मार्च, 2013 द्वारा दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्या., रोहिड़ा, जिसका पंजीयन क्रमांक 788, दिनांक 28 मार्च, 1988 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री मुकेश जोशी, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 18 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(217)

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अंतर्गत]

कार्यालयीन आदेश क्रमांक 273, दिनांक 06 फरवरी, 2008 द्वारा भारत समाचार-पत्र प्रकाशन एवं मुद्रण सहकारी संस्थाएं, उज्जैन जिसका पंजीयन क्रमांक 1036, दिनांक 29 फरवरी, 1992 को मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अन्तर्गत श्री विनायक राजुरकर, सहकारी निरीक्षक को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था की सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अन्तिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. मनोज जायसवाल, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला उज्जैन, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक-एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 22 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(217-A)

मनोज जायसवाल,
उप-पंजीयक.

कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला विदिशा

इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/1994/314, विदिशा, दिनांक 07 फरवरी, 1994 से जनता प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., विदिशा, तहसील एवं जिला विदिशा, जिसका पंजीयन क्रमांक/ए.आर./व्ही.डी.एस./365, दिनांक 31 दिसम्बर, 1990 को परिसमापन में लाया जाकर श्री एफ. एस. राय, सहकारिता विस्तार अधिकारी, जिला विदिशा को संस्था का समापक नियुक्त किया गया था.

समापक द्वारा जनता प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., विदिशा, तहसील एवं जिला विदिशा की परिसमापन की कार्यवाही पूर्ण कर संस्था का अन्तिम प्रतिवेदन संस्था का पंजीयन निरस्त करने की अनुशंसा के साथ प्रस्ताव प्रस्तुत किया है.

मैं, समापक के द्वारा की गई कार्यवाही का अवलोकन करने के पश्चात् इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, भूपेन्द्र प्रताप सिंह, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला विदिशा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) एवं मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99/एक-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये जनता प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्या., विदिशा, तहसील एवं जिला विदिशा, जिसका पंजीयन क्रमांक/ए.आर./व्ही.डी.एस./365, दिनांक 31 दिसम्बर, 1990 का पंजीयन निरस्त करते हुए उसका निगम निकाय (बॉडी-कापोरेट) इस आदेश दिनांक से समाप्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 26 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(218)

विदिशा, दिनांक 26 फरवरी, 2014

क्र./परि./2014/215.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक/परिसमापन/1994/315, विदिशा, दिनांक 07 फरवरी, 1994 से सिद्धेश्वरी प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्यादित, विदिशा, तहसील एवं जिला विदिशा जिसका पंजीयन क्रमांक/ए. आर./व्ही. डी. एस./363, दिनांक 31 दिसम्बर, 1990 को परिसमापन में लाया जाकर श्री एफ. एस. राय, सहकारिता विस्तार अधिकारी, जिला विदिशा को संस्था का समापक नियुक्त किया गया था.

समापक द्वारा सिद्धेश्वरी प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्यादित, विदिशा, तहसील एवं जिला विदिशा की परिसमापन की कार्यवाही पूर्ण कर संस्था का अन्तिम प्रतिवेदन संस्था का पंजीयन निरस्त करने की अनुशंसा के साथ प्रस्ताव प्रस्तुत किया है.

मैं, समापक के द्वारा की गई कार्यवाही का अवलोकन करने के पश्चात् इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित प्रतीत होता है.

अतः मैं, भूपेन्द्र प्रताप सिंह, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला विदिशा मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) एवं मध्यप्रदेश शासन सहकारिता विभाग की अधिसूचना क्रमांक एफ-5-1-99/एक-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये सिद्धेश्वरी प्राथमिक उपभोक्ता सहकारी भण्डार मर्यादित, विदिशा, तहसील एवं जिला विदिशा जिसका पंजीयन क्रमांक/ए. आर./व्ही. डी. एस./363, दिनांक 31 दिसम्बर, 1990 का पंजीयन निरस्त करते हुए उसका निगम निकाय (बॉडी-कापोरेट) इस आदेश दिनांक से समाप्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 26 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया.

(218-A)

भूपेन्द्र प्रताप सिंह,
उप-पंजीयक.

कार्यालय उप-रजिस्ट्रार, सहकारी सोसायटीज, शिवपुरी

शिवपुरी, दिनांक 31 दिसम्बर, 2013

क्र./परि./2013/1973.—निम्नांकित सूची के कॉलम नंबर 2 में दर्शित एवं कॉलम नम्बर 3 के पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक वाली सहकारी समिति को (जिसे आगे समिति कहा गया है) मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत परिसमापन में लाते हुए धारा-70 (1) के अन्तर्गत कॉलम नम्बर 5 में दर्शित अधिकारी/कर्मचारी को कॉलम नम्बर 4 में दर्शित आदेश क्रमांक एवं दिनांक से परिसमापक नियुक्त किया गया था :—

क्रमांक	नाम परिसमापन समिति	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापक की नियुक्ति आदेश क्रमांक/दिनांक	परिसमापक का नाम एवं पद
1	2	3	4	5
1.	चमारान सहकारी संस्था मर्यादित, करैरा	89/05-06-1966	582/13-07-2010	श्री यू. सी. पाठक, सहकारी निरीक्षक.

चूँकि कॉलम नम्बर 2 में दर्शित समिति के कॉलम नम्बर 5 में उल्लेखित परिसमापक ने समिति की आस्तियों एवं दायित्वों का निराकरण कर पंजीयन निरस्त करने की अनुशंसा की है. परिसमापक द्वारा प्रस्तुत अंतिम प्रतिवेदन के अवलोकन से मैं, इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि समिति का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित होगा.

अतएव मैं, एस. के. सिंह, उप-पंजीयक, सहकारी समितियां, शिवपुरी, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग भोपाल की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 से मुझे प्रत्यावर्तित रजिस्ट्रार की शक्तियों का अनुप्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उपरोक्त सूची में वर्णित समिति का पंजीयन निरस्त करता हूँ. अब समिति का निगमित निकाय के रूप में अस्तित्व समाप्त हो गया है.

यह आदेश आज दिनांक 31 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुहर सहित जारी किया गया.

(219)

शिवपुरी, दिनांक 31 दिसम्बर, 2013

क्र./परि./2013/1974.—निम्नांकित सूची के कॉलम नंबर 2 में दर्शित एवं कॉलम नम्बर 3 के पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक वाली सहकारी समिति को (जिसे आगे समिति कहा गया है) मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत परिसमापन में लाते हुए धारा-70 (1) के अन्तर्गत कॉलम नम्बर 5 में दर्शित अधिकारी/कर्मचारी को कॉलम नम्बर 4 में दर्शित आदेश क्रमांक एवं दिनांक से परिसमापक नियुक्त किया गया था :—

क्रमांक	नाम परिसमापन समिति	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापक की नियुक्ति आदेश क्रमांक/दिनांक	परिसमापक का नाम एवं पद
1	2	3	4	5
1.	शिवपुरी श्रमिक आदिवासी बहुउद्देशीय सहकारी संस्था मर्यादित, शिवपुरी.	160/24-08-1962	1661/08-11-2013	श्री व्ही. आर. डण्डैतिया, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक.

चूँकि कॉलम नम्बर 2 में दर्शित समिति के कॉलम नम्बर 5 में उल्लेखित परिसमापक ने समिति की आस्तियों एवं दायित्वों का निराकरण कर पंजीयन निरस्त करने की अनुशंसा की है. परिसमापक द्वारा प्रस्तुत अंतिम प्रतिवेदन के अवलोकन से मैं, इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि समिति का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित होगा.

अतएव मैं, एस. के. सिंह, उप-पंजीयक, सहकारी समितियां, शिवपुरी, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग भोपाल की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 से मुझे प्रत्यावर्तित रजिस्ट्रार की शक्तियों का अनुप्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उपरोक्त सूची में वर्णित समिति का पंजीयन निरस्त करता हूँ. अब समिति का निगमित निकाय के रूप में अस्तित्व समाप्त हो गया है.

यह आदेश आज दिनांक 31 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुहर सहित जारी किया गया.

(219-A)

शिवपुरी, दिनांक 31 दिसम्बर, 2013

क्र./परि./2013/1975.—निम्नांकित सूची के कॉलम नंबर 2 में दर्शित एवं कॉलम नंबर 3 के पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक वाली सहकारी समिति को (जिसे आगे समिति कहा गया है) मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत परिसमापन में लाते हुए धारा-70 (1) के अन्तर्गत कॉलम नंबर 5 में दर्शित अधिकारी/कर्मचारी को कॉलम नंबर 4 में दर्शित आदेश क्रमांक एवं दिनांक से परिसमापक नियुक्त किया गया था :—

क्रमांक	नाम परिसमापन समिति	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापक की नियुक्ति आदेश क्रमांक/दिनांक	परिसमापक का नाम एवं पद
1	2	3	4	5
1.	तहसील वेतन भोगी सहकारी संस्था मर्यादित, करैरा.	4767/23-05-1967	582/13-07-2010	श्री यू. सी. पाठक, सहकारी निरीक्षक.

चूँकि कॉलम नंबर 2 में दर्शित समिति के कॉलम नंबर 5 में उल्लेखित परिसमापक ने समिति की आस्तियों एवं दायित्वों का निराकरण कर पंजीयन निरस्त करने की अनुशंसा की है. परिसमापक द्वारा प्रस्तुत अंतिम प्रतिवेदन के अवलोकन से मैं, इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि समिति का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित होगा.

अतएव मैं, एस. के. सिंह, उप-पंजीयक, सहकारी समितियां, शिवपुरी, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग भोपाल की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 से मुझे प्रत्यावर्तित रजिस्ट्रार की शक्तियों का अनुप्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उपरोक्त सूची में वर्णित समिति का पंजीयन निरस्त करता हूँ. अब समिति का निगमित निकाय के रूप में अस्तित्व समाप्त हो गया है.

यह आदेश आज दिनांक 31 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुहर सहित जारी किया गया.

(219-B)

शिवपुरी, दिनांक 31 दिसम्बर, 2013

क्र./परि./2013/1976.—निम्नांकित सूची के कॉलम नंबर 2 में दर्शित एवं कॉलम नंबर 3 के पंजीयन क्रमांक एवं दिनांक वाली सहकारी समिति को (जिसे आगे समिति कहा गया है) मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-69 (2) के अन्तर्गत परिसमापन में लाते हुए धारा-70 (1) के अन्तर्गत कॉलम नंबर 5 में दर्शित अधिकारी/कर्मचारी को कॉलम नंबर 4 में दर्शित आदेश क्रमांक एवं दिनांक से परिसमापक नियुक्त किया गया था :—

क्रमांक	नाम परिसमापन समिति	पंजीयन क्रमांक व दिनांक	परिसमापक की नियुक्ति आदेश क्रमांक/दिनांक	परिसमापक का नाम एवं पद
1	2	3	4	5
1.	प्राथमिक कृषि सहकारी संस्था मर्यादित अतवेई नं. 1 (पोहरी).	1796/26-02-1921	2424/11-12-2012	श्री आनन्द कुमार पाराशर, वरिष्ठ सहकारी निरीक्षक.

चूँकि कॉलम नंबर 2 में दर्शित समिति के कॉलम नंबर 5 में उल्लेखित परिसमापक ने समिति की आस्तियों एवं दायित्वों का निराकरण कर पंजीयन निरस्त करने की अनुशंसा की है. परिसमापक द्वारा प्रस्तुत अंतिम प्रतिवेदन के अवलोकन से मैं, इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि समिति का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित होगा.

अतएव मैं, एस. के. सिंह, उप-पंजीयक, सहकारी समितियां, शिवपुरी, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग भोपाल की अधिसूचना क्रमांक/एफ-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 से मुझे प्रत्यावर्तित रजिस्ट्रार की शक्तियों का अनुप्रयोग करते हुए मध्यप्रदेश सहकारी सोसायटी अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) के अन्तर्गत उपरोक्त सूची में वर्णित समिति का पंजीयन निरस्त करता हूँ. अब समिति का निगमित निकाय के रूप में अस्तित्व समाप्त हो गया है.

यह आदेश आज दिनांक 31 दिसम्बर, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन मुहर सहित जारी किया गया.

(219-C)

एस. के. सिंह,
उप-रजिस्ट्रार.

कार्यालय उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला देवास

दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति मर्यादित, दिल्याखेडी, जिसका पंजीयन क्रमांक/स.प.दे./ 835, दिनांक 30 नवम्बर, 1996 है, तहसील देवास, जिला देवास मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अन्तर्गत परिसमापन में लाया जाकर श्री आर. सी. जायसवाल, पर्यवेक्षक, इन्दौर दुग्ध संघ को संशोधित आदेश क्र. 138, दिनांक 10 जनवरी, 2012 से परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था की आमसभा दिनांक आयोजित कर सर्व-सम्मति से निर्णय लिया गया कि संस्था के सदस्यों के आर्थिक उन्नति के हित में संस्था को पुनर्जीवित करना चाहते हैं। सहकारिता के विस्तार की दृष्टि से संस्था को पुनर्जीवित करना उचित है तथा परिसमापक के प्रस्ताव से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था सदस्यों के हित में संस्था का अस्तित्व बना रहना उचित है एवं उसे पुनर्जीवित करना उचित है।

अतः मैं, डॉ. के. एन. त्रिपाठी, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला देवास, मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग के ज्ञापन क्रमांक/ एफ-5-1-99/पन्द्रह-एक-सी, दिनांक 26 जुलाई, 1999 द्वारा मध्यप्रदेश सहकारी समितियां अधिनियम, 1960 (क्र. 17 सन् 1961) की धारा-3 की उपधारा (2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्था मर्यादित, दिल्याखेडी, तहसील देवास, जिला देवास को परिसमापन में लाने हेतु जारी किये गये आदेश को निरस्त करते हुए इस आदेश के तहत पुनर्जीवित करता हूँ तथा निर्देश देता हूँ कि तीन माह में संस्था अपना निर्वाचन पूर्ण करावे।

यह आदेश आज दिनांक 31 जुलाई, 2013 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।

(220)

देवास, दिनांक 30 जनवरी, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) (2) के अंतर्गत]

इस कार्यालय के आदेश क्रमांक देवास, दिनांक..... के द्वारा सप्लायर्स एवं सर्विसेस साख सहकारी संस्था मर्यादित, देवास, तहसील देवास, जिला देवास जिसका पंजीयन क्रमांक....., दिनांक.....है, को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत में परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्रीमती चंदना शाह, व. सह. निरी. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था को सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. के. एन. त्रिपाठी, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला देवास, मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा (1) (2) एवं मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग भोपाल के विज्ञप्ति/आदेश क्रमांक-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के अंतर्गत प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करते हुए संस्था का निगमित (बाडी कार्पोरेट) समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 30 जनवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया जाता है।

(220-A)

देवास, दिनांक 28 फरवरी, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) (2) के अंतर्गत]

क्र./परि./2014/553.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक 1259, दिनांक 29 अप्रैल, 2013 के द्वारा शिवाशीष कुक्कुट पालन सहकारी संस्था मर्यादित, अमोना, तहसील टोकखुर्द, जिला..... जिसका पंजीयन क्रमांक 1223, दिनांक 08 मार्च, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत में परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री डी. के. दन्देलिया, सह. निरी. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था को सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. के. एन. त्रिपाठी, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला देवास, मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा (1) (2) एवं मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग भोपाल के विज्ञप्ति/आदेश क्रमांक-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के अंतर्गत प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करते हुए संस्था का निगमित (बाडी कार्पोरेट) समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 28 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया जाता है।

(220-B)

देवास, दिनांक 28 फरवरी, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) (2) के अंतर्गत]

क्र./परि./2014/554.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक 1262, दिनांक 20 अप्रैल, 2013 के द्वारा गजानन्द कुक्कुट पालन सहकारी संस्था मर्यादित, कराडियागदा, तहसील सोनकच्छ, जिला देवास, जिसका पंजीयन क्रमांक 1226, दिनांक 08 मार्च, 2010 है, को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत में परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री आर. सी. मालवीय, सह. निरी. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था को सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. के. एन. त्रिपाठी, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला देवास, मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा (1) (2) एवं मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग भोपाल के विज्ञप्ति/आदेश क्रमांक-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के अंतर्गत प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करते हुए संस्था का निगमित (बाडी कार्पोरेट) समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 28 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया जाता है।

(220-C)

देवास, दिनांक 28 फरवरी, 2014

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) (2) के अंतर्गत]

क्र./परि./2014/555.—इस कार्यालय के आदेश क्रमांक....., दिनांक.....के द्वारा मार्टिन इण्डस्ट्रीज कर्म. साख सहकारी संस्था मर्यादित, देवास, तहसील देवास, जिला देवास, जिसका पंजीयन क्रमांक 68, दिनांक 31 दिसम्बर, 1989 है, को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत में परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री आई. एम. कुरेशी, सह. निरी. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था।

परिसमापक द्वारा संस्था को सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है। संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है।

अतः मैं, डॉ. के. एन. त्रिपाठी, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला देवास, मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा (1) (2) एवं मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग भोपाल के विज्ञप्ति/आदेश क्रमांक-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के अंतर्गत प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करते हुए संस्था का निगमित (बाडी कार्पोरेट) समाप्त करता हूँ।

यह आदेश आज दिनांक 28 फरवरी, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया जाता है।

(220-D)

[मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-18 (1) (2) के अंतर्गत]

इस कार्यालय के आदेश क्रमांक 1257, दिनांक 29 अप्रैल, 2013 के द्वारा अरिहन्त प्राथमिक उप. भण्डार सहकारी संस्था मर्यादित, देवास, तहसील देवास, जिला देवास, जिसका पंजीयन क्रमांक 1094, दिनांक 25 मई, 2005 है, को मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा-69 के अंतर्गत में परिसमापन में लाया जाकर धारा-70 के अंतर्गत श्री विनोद सरयाम, सह. निरी. को संस्था का परिसमापक नियुक्त किया गया था.

परिसमापक द्वारा संस्था को सम्पूर्ण कार्यवाही सम्पन्न करके पंजीयन निरस्त करने हेतु अंतिम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया है. संस्था के परिसमापक की कार्यवाही से मैं इस निष्कर्ष पर पहुंचा हूँ कि संस्था का पंजीयन निरस्त किया जाना उचित है.

अतः मैं, डॉ. के. एन. त्रिपाठी, उप-पंजीयक, सहकारी संस्थाएं, जिला देवास, मध्यप्रदेश सहकारी संस्थाएं अधिनियम, 1960 की धारा (1) (2) एवं मध्यप्रदेश शासन, सहकारिता विभाग भोपाल के विज्ञप्ति/आदेश क्रमांक-5-1-99-पन्द्रह-1-सी, भोपाल, दिनांक 26 जुलाई, 1999 के अंतर्गत प्रदत्त पंजीयक की शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त संस्था का पंजीयन निरस्त करते हुए संस्था का निगमित (बाडी कार्पोरेट) समाप्त करता हूँ.

यह आदेश आज दिनांक 05 मार्च, 2014 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालयीन पदमुद्रा से जारी किया जाता है.

(220-E)

के. एन. त्रिपाठी,
उप-पंजीयक.



मध्यप्रदेश राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 13]

भोपाल, शुक्रवार, दिनांक 28 मार्च 2014-चैत्र 7, शके 1936

भाग 3 (2)

सांख्यिकीय सूचनाएं

कार्यालय आयुक्त, भू-अभिलेख, मध्यप्रदेश

मौसम, फसल तथा पशु-स्थिति का साप्ताहिक प्रतिवेदन, सप्ताहान्त बुधवार, दिनांक 27 नवम्बर, 2013

1. मौसम एवं वर्षा.—राज्य में इस सप्ताह मौसम शुष्क रहा है तथा राज्य के किसी भी जिले में वर्षा का होना नहीं पाया गया है.

2. जुताई.—जिला श्योपुर, ग्वालियर, छतरपुर, दमोह, रीवा, अनूपपुर, उमरिया, सीधी, मंदसौर, धार, खरगौन, सीहोर, बैतूल, जबलपुर, कटनी, सिवनी में रबी फसल की जुताई का कार्य कहीं-कहीं चालू है.

3. बोनी.—जिला सिवनी में फसल गोहूँ व धार में गोहूँ, चना व सिंगरौली में अलसी, राई-सरसों, चना, गोहूँ, जौ व टीकमगढ़ में राई-सरसों, चना, मटर, मसूर जौ, गोहूँ व श्योपुर, ग्वालियर, छतरपुर, दमोह, रीवा, अनूपपुर, सीधी, मंदसौर, इन्दौर, खरगौन, बुरहानपुर, भोपाल, सीहोर, बैतूल, हरदा, जबलपुर, कटनी में रबी फसल की बोनी का कार्य कहीं-कहीं चालू है.

4. फसल स्थिति.—

5. कटाई.—जिला सिंगरौली, सिवनी में फसल धान व बैतूल में खरीफ फसलों की कटाई का कार्य कहीं-कहीं चालू है.

6. सिंचाई.—जिला ग्वालियर, छतरपुर, शहडोल, भोपाल में सिंचाई हेतु पानी कहीं-कहीं अपर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है.

7. पशुओं की स्थिति.—राज्य के प्रायः सभी जिलों में पशुओं की स्थिति संतोषप्रद है.

8. चारा.—राज्य के प्रायः सभी जिलों में चारा पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है.

9. बीज.—राज्य के प्रायः सभी जिलों में बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है.

10. खेतिहर श्रमिक.—राज्य के प्रायः सभी जिलों में खेतिहर श्रमिक पर्याप्त संख्या व उचित दर पर उपलब्ध हैं.

मौसम, फसल तथा पशु-स्थिति का साप्ताहिक सूचना-पत्रक, समाप्तांत बुधवार, दिनांक 27 नवम्बर, 2013

जिला/तहसीलें	1. सप्ताह में हुई वर्षा:- (अ) वर्षा का माप (मि.मी.) में (ब) वर्षा कम है या बहुत अधिक.	2. कृषि कार्यों की प्रगति तथा उन पर वर्षा का प्रभाव:- (अ) प्रारम्भिक जुताई पर. (ब) बोनी पर. (स) रोपाई पर, अगर धान की रोपाई होती हो. (द) खड़ी फसल पर, रोग व कीड़ों के आक्रमण के असर का वर्णन सहित. (य) कटी हुई फसल पर.	3. अन्य असामयिक घटना और उसका फसलों पर प्रभाव. 4. खड़ी फसल का व्यापक रूप से अनुमान, गत वर्ष की तुलना में :- (1) फसल का क्षेत्रफल - (अ) अधिक, समान या कम. (ब) प्रतिशत. (2) फसल की हालत- (अ) सुधरी हुई, समान या बिगड़ी हुई. (ब) प्रतिशत.	5. सिंचाई के लिये पानी (कम अथवा अधिक). 6. पशुओं की हालत तथा चारे की प्राप्ति.	7. बीज की प्राप्ति. 8. कृषि-सम्बन्धी मजदूरों की प्राप्ति.
1	2	3	4	5	6
जिला मुरैना :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. ... 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. ... 8. पर्याप्त.
1. अम्बाह	..				
2. पोरसा	..				
3. मुरैना	..				
4. जौरा	..				
5. सबलगढ़	..				
6. कैलारस	..				
जिला श्योपुर :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. ... 4. (1) ज्वार, मूँगफली, कपास, गन्ना, तिल, धान, सोयाबीन, उड़द, मूँग, तुअर समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. श्योपुर	..				
2. कराहल	..				
3. विजयपुर	..				
जिला भिण्ड :	मिलीमीटर	2. ..	3. ... 4. (1) ज्वार, बाजरा समान. तिल बिगड़ी हुई. (2) ..	5. ... 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. अटेर	..				
2. भिण्ड	..				
3. गोहद	..				
4. मेहगांव	..				
5. लहार	..				
6. मिहोना	..				
7. रौन	..				
जिला ग्वालियर :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गन्ना, मूँगमोठ, तुअर, मूँगफली, तिल अधिक. उड़द कम. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. ग्वालियर	..				
2. डबरा	..				
3. भितरवार	..				
4. घाटीगांव	..				
जिला दतिया :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) उड़द, तिल, सोयाबीन, मूँगफली, ज्वार, धान, गन्ना, बाजरा, मक्का, मूँग. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सेवड़ा	..				
2. दतिया	..				
3. भाण्डेर	..				
जिला शिवपुरी :	मिलीमीटर	2. ..	3. ... 4. (1) गन्ना, मूँगफली, सोयाबीन अधिक. (2) उपरोक्त फसलें सुधरी हुई.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. शिवपुरी	..				
2. पिछोर	..				
3. खनियाधाना	..				
4. नरवर	..				
5. करैरा	..				
6. कोलारस	..				
7. पोहरी	..				
8. बदरवास	..				

1	2	3	4	5	6
जिला अशोकनगर :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. ..
1. मुंगावली	..		4. (1) सोयाबीन अधिक. उड़द, मक्का, गन्ना कम.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. ईसागढ़	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. अशोकनगर	..				
4. चन्देरी	..				
5. शाढौरा	..				
जिला गुना :	मिलीमीटर	2. ...	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. गुना	..		4. (1) गेहूँ, चना, समान.	6. संतोषप्रद, ..	8. पर्याप्त.
2. राघौगढ़	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. बमोरी	..				
4. आरोन	..				
5. चाचौड़ा	..				
6. कुम्भराज	..				
जिला टीकमगढ़ :	मिलीमीटर	2. राई-सरसों, चना, मटर, मसूर, जौ, गेहूँ, की बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. निवाड़ी	..		4. (1) ज्वार, तुअर, गन्ना समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. पृथ्वीपुर	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. जतारा	..				
4. टीकमगढ़	..				
5. बल्देवगढ़	..				
6. पलेरा	..				
7. ओरछा	..				
जिला छतरपुर :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं.	5. अपर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. लौण्डी	..		4. (1) ज्वार, अरहर अधिक. तिल कम.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. गौरीहार	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. नौगांव	..				
4. छतरपुर	..				
5. राजनगर	..				
6. बिजावर	..				
7. बड़ामलहरा	..				
8. बक्सवाहा	..				
जिला पन्ना :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. ..
1. अजयगढ़	..		4. (1) मक्का, तुअर, सोयाबीन, उड़द, अधिक. धान, ज्वार, बाजरा, मूँग, तिल कम.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. पन्ना	..		(2) ..		
3. गुन्नौर	..				
4. पवई	..				
5. शाहनगर	..				
जिला सागर :	मिलीमीटर	2. ...	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. बीना	..		4. (1) गेहूँ, जौ, चना, मटर, मसूर, तेवड़ा, राई-सरसों, अलसी, आलू, प्याज समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. खुरई	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. बण्डा	..				
4. सागर	..				
5. रेहली	..				
6. देवरी	..				
7. गढ़ाकोटा	..				
8. राहतगढ़	..				
9. केसली	..				
10. मालथोन	..				
11. शाहगढ़	..				

1	2	3	4	5	6
जिला दमोह :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) धान, ज्वार, तुअर, गेहूँ, चना, मटर, मसूर, अलसी सुधरी हुई. (2) उपरोक्त फसलें सुधरी हुई.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. हटा				
2. बटियागढ़				
3. दमोह				
4. पथरिया				
5. जवेरा				
6. तेन्दूखेड़ा				
7. पटेरा				
*जिला सतना :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) .. (2) ..	5. .. 6. ..	7. .. 8. ..
1. रघुराजनगर				
2. मझगवां				
3. रामपुर-बघेलान				
4. नागौद				
5. उचेहरा				
6. अमरपाटन				
7. रामनगर				
8. मैहर				
9. बिरसिंहपुर				
जिला रीवा :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) अरहर, धान, ज्वार समान. सोयाबीन, मूँग, उड़द, तिल बिगड़ी हुई. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. त्योंथर				
2. सिरमौर				
3. मऊगंज				
4. हनुमना				
5. हजूर				
6. गुढ़				
7. रायपुरकर्जुलियान				
जिला शहडोल :	मिलीमीटर	2. ..	3. .. 4. (1) मक्का, धान, उड़द, अरहर, सोयाबीन कम. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. अपर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सोहागपुर				
2. ब्यौहारी				
3. जैसिंहनगर				
4. जैतपुर				
जिला अनूपपुर :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) धान अधिक. राई, चना, मटर कम. कोदों समान. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. जैतहरी				
2. अनूपपुर				
3. कोतमा				
4. पुष्पराजगढ़				
जिला उमरिया :	मिलीमीटर	2. जुताई का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) धान, ज्वार, मक्का, कोदों-कुटकी, तुअर, उड़द, सोयाबीन, तिल, रामतिल अधिक. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. .. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बांधवगढ़				
2. पाली				
3. मानपुर				

1	2	3	4	5	6
जिला सीधी :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं रबी फसलों की बोनी का कार्य चालू है.	3. . . 4. (1) राई-सरसों, चना कम. अलसी, मटर, मसूर समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. . . 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. . . 8. पर्याप्त.
1. गोपदवनास	..				
2. सिंहावल	..				
3. मझौली	..				
4. कुसमी	..				
5. चुरहट	..				
6. रामपुरनैकिन	..				
जिला सिंगरौली :	मिलीमीटर	2. अलसी, राई-सरसों, चना, गेहूँ, जौ की बोनी व धान की कटाई का कार्य चालू है.	3. . . 4. (1) धान, तुअर अधिक. चना, मसूर, अलसी कम. ज्वार, मूँग, कोदों राई-सरसों समान. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. चितरंगी	..				
2. देवसर	..				
3. सिंगरौली	..				
जिला मन्दसौर :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. . . 4. (1) सोयाबीन अधिक. मक्का कम. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सुवासरा-टप्पा	..				
2. भानपुरा	..				
3. मल्हारगढ़	..				
4. गरोठ	..				
5. मन्दसौर	..				
6. सीतामऊ	..				
7. धुन्धड़का	..				
8. शामगढ़	..				
9. संजीत	..				
10. कयामपुर	..				
जिला नीमच :	मिलीमीटर	2. . .	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) सोयाबीन, मक्का, तिल अधिक. मूँगफली कम. उड़द, तुअर समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. जावद	..				
2. नीमच	..				
3. मनासा	..				
जिला रतलाम :	मिलीमीटर	2. . .	3. . . 4. (1) .. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. जावरा	..				
2. आलोट	..				
3. सैलाना	..				
4. बाजना	..				
5. पिपलौदा	..				
6. रतलाम	..				
जिला उज्जैन :	मिलीमीटर	2. . .	3. . . 4. (1) सोयाबीन, मक्का समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. खाचरौद	..				
2. महिदपुर	..				
3. तराना	..				
4. घटिया	..				
5. उज्जैन	..				
6. बड़नगर	..				
7. नागदा	..				
जिला शाजापुर :	मिलीमीटर	2. . .	3. . . 4. (1) .. (2) ..	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. मो. बड़ोदिया	..				
2. सुसनेर	..				
3. नलखेड़ा	..				
4. आगर	..				
5. बड़ौद	..				
6. शाजापुर	..				
7. शुजालपुर	..				
8. कालापीपल	..				

1	2	3	4	5	6
जिला देवास :	मिलीमीटर	2. . .	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) तुअर, उड़द, मूँगमोठ, गन्ना, अधिक. कपास, मूँगफली कम. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. सोनकच्छ	..				
2. टोंकखुर्द	..				
3. देवास	..				
4. बागली	..				
5. कन्नौद	..				
6. खातेगांव	..				
*जिला झाबुआ :	मिलीमीटर	2. . .	3. . . 4. (1) . . (2) . .	5. . . 6. . .	7. . . 8. . .
1. थांदला	..				
2. मेघनगर	..				
3. पेटलावद	..				
4. झाबुआ	..				
5. भामरा	..				
जिला अलीराजपुर :	मिलीमीटर	2. . .	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) तुअर कम.ज्वार, सोयाबीन समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. . . 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. . . 8. पर्याप्त.
1. जोवट	..				
2. अलीराजपुर	..				
3. राणापुर	..				
4. कट्टीवाड़ा	..				
5. सोण्डवा	..				
जिला धार :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं गोहूँ, चना की बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) सोयाबीन, कपास , मक्का अधिक. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बदनावर	..				
2. सरदारपुर	..				
3. धार	..				
4. कुक्षी	..				
5. मनावर	..				
6. धरमपुरी	..				
7. गंधवानी	..				
8. डही	..				
जिला इन्दौर :	मिलीमीटर	2. बोनी का कार्य चालू है.	3. . . 4. (1) . . (2) . .	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. देपालपुर	..				
2. सांवेर	..				
3. इन्दौर	..				
4. महु	..				
(डॉ. अम्बेडकरनगर)					
जिला प. निमाड़ :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं रबी की बोनी का कार्य चालू है.	3. . . 4. (1) ज्वार, मक्का, धान, बाजरा, कपास, मूँगफली, तुवर समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. बड़वाह	..				
2. महेश्वर	..				
3. सेगांव	..				
4. खरगौन	..				
5. गोगावां	..				
6. कसरावद	..				
7. भगवानपुरा	..				
8. भीकनगांव	..				
9. झिरन्या	..				

1	2	3	4	5	6
*जिला बड़वानी :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. ..	7. ..
1. बड़वानी	..		4. (1) ..	6. ..	8. ..
2. ठीकरी	..		(2) ..		
3. राजपुर	..				
4. सेंधवा	..				
5. पानसेमल	..				
6. पाटी	..				
7. निवाली	..				
जिला पूर्व-निमाड़ :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. खण्डवा	..		4. (1) गेहूँ, चना समान.	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. पंधाना	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.	चारा पर्याप्त.	
3. हरसूद	..				
जिला बुरहानपुर :	मिलीमीटर	2. रबी फसल की बोनी का कार्य चालू है.	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. बुरहानपुर	..		4. (1) कपास, तुअर समान.	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. खकनार	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.	चारा पर्याप्त.	
3. नेपानगर	..				
*जिला राजगढ़ :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. ..	7. ..
1. जीरापुर	..		4. (1) ..	6. ..	8. ..
2. खिलचीपुर	..		(2) ..		
3. राजगढ़	..				
4. ब्यावरा	..				
5. सारंगपुर	..				
6. नरसिंहगढ़	..				
जिला विदिशा :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. लटेरी	..		4. (1) अरहर, उड़द, मूँग, सोयाबीन.	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. सिरोंज	..		(2) ..	चारा पर्याप्त.	
3. कुरवाई	..				
4. बासौदा	..				
5. नटेरन	..				
6. विदिशा	..				
7. ग्यारसपुर	..				
जिला भोपाल :	मिलीमीटर	2. बोनी का कार्य चालू है.	3. ..	5. अपर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. बैरसिया	..		4. (1) सोयाबीन, मक्का, ज्वार, मूँगफली,	6. संतोषप्रद,	8. पर्याप्त.
2. हुजूर	..		गन्ना समान.	..	
			(2) उपरोक्त फसलें समान.		
जिला सीहोर :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी का कार्य चालू है.	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. सीहोर	..		4. (1) ..	6. संतोषप्रद.	8. पर्याप्त.
2. आष्टा	..		(2) ..	चारा पर्याप्त.	
3. इछावर	..				
4. नसरुल्लागंज	..				
5. बुधनी	..				

1	2	3	4	5	6
जिला रायसेन :	मिलीमीटर	2. . .	3. . . 4. (1) गेहूँ, जौ, चना, मटर, मसूर, तिवड़ा, सरसों, अलसी गन्ना. (2) . .	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. रायसेन	. .				
2. गैरतगंज	. .				
3. बेगमगंज	. .				
4. गोहरगंज	. .				
5. बरेली	. .				
6. सिलवानी	. .				
7. बाड़ी	. .				
8. उदयपुरा	. .				
जिला बैतूल :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं बोनी व खरीफ फसलों की कटाई का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गेहूँ, मसूर, चना अधिक. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. भैसदेही	. .				
2. घोड़ाडोंगरी	. .				
3. शाहपुर	. .				
4. चिचोली	. .				
5. बैतूल	. .				
6. मुलताई	. .				
7. आठनेर	. .				
8. आमला	. .				
*जिला होशंगाबाद :	मिलीमीटर	2. . .	3. . . 4. (1) . . (2) . .	5. . . 6. . .	7. . . 8. . .
1. सिवनी-मालवा	. .				
2. होशंगाबाद	. .				
3. बाबई	. .				
4. इटारसी	. .				
5. सोहागपुर	. .				
6. पिपरिया	. .				
7. वनखेड़ी	. .				
8. पचमढ़ी	. .				
जिला हरदा :	मिलीमीटर	2. रबी की बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) गेहूँ. (2) . .	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. हरदा	. .				
2. खिड़किया	. .				
3. टिमरनी	. .				
जिला जबलपुर :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं रबी की बोनी का कार्य चालू है.	3. . . 4. (1) धान समान. (2) उपरोक्त फसल समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. . . 8. पर्याप्त.
1. सीहोरा	. .				
2. पाटन	. .				
3. जबलपुर	. .				
4. कुण्डम	. .				
5. मझौली	. .				
जिला कटनी :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं रबी की बोनी का कार्य चालू है.	3. कोई घटना नहीं. 4. (1) चना, अलसी, मसूर, गेहूँ, राई-सरसों समान. (2) उपरोक्त फसलें समान.	5. पर्याप्त. 6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	7. पर्याप्त. 8. पर्याप्त.
1. कटनी	. .				
2. रीठी	. .				
3. विजयराघवगढ़	. .				
4. बहोरीबंद	. .				
5. ढीमरखेड़ा	. .				
6. बरही	. .				

1	2	3	4	5	6
*जिला नरसिंहपुर :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. ..	7. ..
1. गाडरवारा	..		4. (1) ..	6. ..	8. ..
2. करेली	..		(2) ..		
3. नरसिंहपुर	..				
4. गोटेगांव	..				
5. तेन्दूखेड़ा	..				
जिला मण्डला :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. निवास	..		4. (1) धान, मक्का, कोदों, तुअर, तिल, सन समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. बिछिया	..		(2) उपरोक्त फसलें समान.		
3. नैनपुर	..				
4. मण्डला	..				
5. घुघरी	..				
6. नारायणगंज	..				
*जिला डिण्डोरी :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. ..	7. ..
1. डिण्डोरी	..		4. (1) ..	6. ..	8. ..
2. शाहपुरा	..		(2) ..		
जिला छिन्दवाड़ा :	मिलीमीटर	2. ..	3. कोई घटना नहीं.	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. छिन्दवाड़ा	..		4. (1) ..	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. जुन्नारदेव	..		(2) ..		
3. परासिया	..				
4. जामई (तामिया)	..				
5. सोंसर	..				
6. पांडुर्णा	..				
7. अमरवाड़ा	..				
8. चौरई	..				
9. बिछुआ	..				
10. हरई	..				
11. मोहखेड़ा	..				
जिला सिवनी :	मिलीमीटर	2. जुताई एवं गोहूँ की बोनी व धान फसल की कटाई का कार्य चालू है.	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. सिवनी	..		4. (1) धान, मक्का, तुअर, तिल, रामतिल, गन्ना अधिक. ज्वार, कोदों-कुटकी, सोयाबीन, सन कम. मूँग, मूँगफली समान.	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. केवलारी	..		(2) ..		
3. लखनादौन	..				
4. बरघाट	..				
5. कुरई	..				
6. घंसौर	..				
7. घनोरा	..				
8. छपारा	..				
जिला बालाघाट :	मिलीमीटर	2. ..	3. ..	5. पर्याप्त.	7. पर्याप्त.
1. बालाघाट	..		4. (1) ..	6. संतोषप्रद, चारा पर्याप्त.	8. पर्याप्त.
2. लाँजी	..		(2) ..		
3. बैहर	..				
4. वारासिवनी	..				
5. कटंगी	..				
6. किरनापुर	..				

टीप.— *जिला सतना, झाबुआ, बड़वानी, राजगढ़, होशंगाबाद, नरसिंहपुर, डिण्डोरी से पत्रक अप्राप्त रहे हैं.